A Daily News Magazine
भोपाल
गुरुवार, 22 जनवरी, 2026

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 23, अंक 142, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subhsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

भारत-यूएई का समझौता क्या पाक-सऊदी डिफ़ेंस डील का जवाब है?

रजनीश कुमार

यूएई (संयुक्त अरब अमीरात) के राष्ट्रपति शेख़ मोहम्मद बिन ज़ाएद अल नहयान सोमवार को चंद घंटों के लिए नई दिल्ली आए। इस दौरे ने दिसंबर 2021 में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के दौरे की याद दिला दी, जब वह केवल पाँच घंटे के लिए भारत आए थे। यूएई और ईरान में भारत के राजदूत रहे केसी सिंह ने द ट्रिब्यून में लिखा कि इस यात्रा की पूर्व सूचना न होना इशारा करता है कि गल्फ़ और पश्चिम एशिया में तेज़ी से बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य के कारण चीज़ें सामान्य नहीं हैं।

यूएई के राष्ट्रपति जब दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पहुँचे तो उनकी अगवानी में भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद खड़े थे। पिछले महीने यूएई के राष्ट्रपति ने पाकिस्तान का भी दौरा किया था। यूएई के राष्ट्रपति भले नई दिल्ली कुछ घंटों के लिए ही आए लेकिन एक साथ कई समझौते हुए। इनमें से सबसे ज़्यादा चर्चा स्ट्रैटिजिक डिफेंस पार्टनरशिप के लिए 'लेटर ऑफ इंटेंट' पर दोनों देशों के हस्ताक्षर की हो रही है। दोनों देशों में रणनीतिक रक्षा साझेदारी पर सहमति तब बनी है, जब सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच पिछले साल सितंबर में एक डिफेंस पैक्ट हुआ था।

यह डिफेंस पैक्ट कहता है कि सऊदी और पाकिस्तान में से किसी एक के ख़िलाफ़ 'किसी भी तरह की आक्रामकता' को दोनों के ख़िलाफ़ हमला माना जाएगा। यह नेटो के अनुच्छेद-5 जैसा है, जिसका सदस्य तुर्की भी है और जिसकी सेना अमेरिका के बाद सबसे बड़ी है। यूएई और भारत के बीच द्विपक्षीय रणनीतिक रक्षा साझेदारी को लेकर मध्य-पूर्व की न्यूज़ विश्लेषण वेबसाइट मिडिल ईस्ट आई तुर्की ब्यूरो चीफ़ रेइप सोयलु ने एक्स पर लिखा, ''ऐसा प्रतीत होता है कि यूएई, परमाणु शक्ति संपन्न पाकिस्तान के साथ सऊदी अरब के रक्षा समझौते का संतुलन बनाने के लिए, परमाणु शक्ति संपन्न भारत के साथ साझेदारी कर रहा है।''

सऊदी अरब में भारत के राजदूत रहे तलमीज़ अहमद ने कहा कि यूएई के राष्ट्रपति का दौरा बहुत ही अहम था। हमारी स्ट्रैटिजिक पार्टनरशिप तो पहले से ही थी, लेकिन डिफेंस उस तरह से इसमें शामिल नहीं था। डिफेंस को उस वक़्त शामिल किया जा रहा है, जब ईरान और अमेरिका में तनातनी है, ग़ाज़ा का मसला सुलझा नहीं है, सोमानीलैंड को लेकर यूएई इजराइल के साथ दिख रहा है, सऊदी और यूएई में तनाव बढ़ा हुआ है और पाकिस्तान सऊदी के डिफेंस पैक्ट में तुर्की भी शामिल होना चाहता है। ऐसे समय में भारत और यूएई की द्विपक्षीय रणनीतिक रक्षा साझेदारी को इन पहलुओं से जोड़ना बहुत हैरान नहीं करता है। यूएई के राष्ट्रपति से भारत के प्रधानमंत्री की सऊदी और पाकिस्तान के डिफेंस पैक्ट पर ज़रूर बात हुई होगी। भारत को कैसे रिएक्ट करना है, इसे भी गंभीरता से सोचना होगा। पाकिस्तान को अचानक से प्रासंगिकता मिल गई है। ऐसे में भारत की रणनीति पश्चिम एशिया में कैसी होगी, यह बड़ा सवाल है.''

पिछले साल से तुर्की और सऊदी अरब के संबंध गहरा रहे हैं। मिडिल ईस्ट इंस्टीट्यूट टर्किश प्रोग्राम की फाउंडिंग डायरेक्टर गोनुल तोल मानती हैं कि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ संबंध, अमीराती नेता मोहम्मद बिन ज़ाएद की तुलना में अधिक मज़बूत हैं। इस समीकरण को तुर्की के अधिकारी वॉशिंगटन के साथ लंबित मुद्दों के समाधान में संभावित रूप से उपयोगी मानते हैं। इन्हीं कारणों से प्रेरित होकर हाल के वर्षों में तुर्की और सऊदी अरब के बीच रक्षा और वित्तीय संबंध गहरे हुए हैं।

यूएई पश्चिम एशिया में और जीसीसी में अलग नीति पर चल रहा है। यूएई ने 2020 में इजराइल को एक संप्रभु देश के रूप में मान्यता देते हुए राजनयिक संबंध स्थापित किया था। तलमीज़ अहमद को लगता है कि पाकिस्तान और सऊदी के डिफेंस पैक्ट की सीमा होगी, क्योंकि इसराइल भी इसे लेकर बहुत सहज नहीं होगा। यूएई के राष्ट्रपति के जाने के बाद भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा कि मैं इसे दोनों देशों के बीच पहले से मौजूद पर्याप्त रक्षा सहयोग का स्वाभाविक विकास मानूंगा, न कि क्षेत्र में घटित किसी विशेष घटना की प्रतिक्रिया के रूप में या भविष्य के किसी काल्पनिक स्थिति में शामिल होने के इरादे के तौर पर। '

सऊदी अरब और यूएई, दोनों ही भारत के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा आपूर्तिकर्ताओं में शामिल हैं और इसके अलावा बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी कामगार भी इन देशों में रहते हैं। भारत ने अपने महत्वपूर्ण हितों को देखते हुए खाड़ी क्षेत्र में संघर्षों और शत्रुता के मामलों में परंपरागत रूप से सतर्क रुख़ अपनाया है।

तलमीज़ अहमद कहते हैं कि पाकिस्तान की तरह सऊदी अरब से भी भारत के अच्छे संबंध हैं लेकिन पाकिस्तान सऊदी अरब को सुरक्षा की गारंटी देता है और भारत ऐसा नहीं करता है। सामरिक मामलों के विशेषज्ञ ब्रह्मा चेलानी मानते हैं कि मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत और यूएई के संबंधों में ऐतिहासिक परिवर्तन आया है। यूएई अब भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार और दूसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है, साथ ही वह भारत का एक महत्वपूर्ण ऊर्जा साझेदार भी है। दोनों देशों ने रुपये और दिरहम में व्यापार को सक्षम बनाया है, जिससे अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम हुई है।''

यूएई में भारत के राजदूत रहे केसी सिंह ने लिखा है, ''यूएई ने बिना टकराव वाली विदेश नीति अपनाई है। खाड़ी और पश्चिम एशिया, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों से और अधिक अस्थिर हो गए हैं और यह भारत के लिए भी किसी चुनौती से कम नहीं है।''

दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी के पश्चिम एशिया अध्ययन केंद्र में असोसिएट प्रोफ़ेसर मोहम्मद मुदस्सिर क़मर कहते हैं, ''हम पश्चिम एशिया में भारत की हर नीति को पाकिस्तान के आईने में नहीं देख सकते हैं। पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच भले डिफेंस पैक्ट पर पिछले साल सितंबर में हस्ताक्षर हुए थे लेकिन दोनों देशों के बीच सैन्य संबंध दशकों से हैं। पश्चिम एशिया में अभी जो हालात हैं, उनमें यूएई, इसराइल और भारत एक साथ दिख रहे हैं। यूएई और सऊदी अरब का तनाव भी एमबीज़ेड और एमबीएस के बीच पर्सनल ईगो के कारण है।''

भारत के लिए यूएई दूसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है, जहाँ उसी वित्त वर्ष में निर्यात 37 अरब डॉलर तक पहुंच गया। दोनों देशों ने 2032 तक द्विपक्षीय व्यापार 200 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। यूएई में 43 लाख से अधिक भारतीय प्रवासी रहते हैं, जो देश की कुल आबादी का लगभग 35 प्रतिशत हैं।

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

शरद की सुबह

फिर से तपते हुए दिनों की शुरुआत
हवा में अजीब-सी गंध है
और डोमों की चिता
अभी भी दहक रही है
वे कह रहे हैं
एक माह तक मुफ्त राशन
मृतकों के परिवार को
और लकड़बग्घा हंस रहा है...
और मैं...
फिर से खड़ा हूं
इस अंधेरी रात की नब्ज़ को
थामे हुए
कह रहा हूं
ये तीमारदार नहीं
हत्यारे हैं
और वह आवाज़
खाने की मेज़ पर
बच्चों की नहीं
लकड़बग्घे की हंसी है
सुनो...
यह दहशत तो है
चुनौती भी
लकड़बग्घा हंस रहा है।

- चंद्रकांत देवताले

7 दशक बाद फिर खोदी गई अश्वमेध यज्ञशाला की जमीन

देहरादून में पुरातत्व विभाग कर रहा चौथी वेदिका की तलाश

देहरादून (एजेंसी)। देहरादून से लगभग 50 किलोमीटर दूर बाड़वाला स्थित जगतग्राम इन दिनों एक बार फिर इतिहास के पन्नों में लौट रहा है। करीब 7 दशक बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने यहां अश्वमेध यज्ञ से जुड़ी चौथी यज्ञशाला (वेदिका) की खोज के लिए उत्खनन शुरू किया है।

इससे पहले 1952 से 1954 के बीच हुए उत्खनन में तीन यज्ञ शालाएं मिल चुकी थीं, लेकिन चौथी की तलाश अब जाकर दोबारा शुरू हो सकी है। आर्कियोलॉजिस्ट विपुल मिश्रा के मुताबिक, मौजूदा उत्खनन का मकसद तीसरी शताब्दी ईस्वी में हुए अश्वमेध यज्ञ के दौरान निर्मित चौथी यज्ञशाला को ढूंढना है। चार यज्ञशालाओं में से तीन 1952-54 की खुदाई में मिल चुकी थीं। अब चौथी के लिए फिर से खुदाई की जा रही है।

10 से 14 फीट नीचे तक खुदाई, मिले ब्रिक्स और पॉट शेल्स- एक दिसंबर से शुरू हुए उत्खनन में अब तक करीब 10 से 14 फीट गहराई तक खुदाई हो चुकी है। इस दौरान टीम को प्राचीन ईंटें (ब्रिक्स), मृदभांड (पॉट शेल्स) और घड़े मिले हैं। विपुल मिश्रा के मुताबिक, मिली ईंटों का साइज और बनावट ठीक वैसी ही है जैसी 1952-54 की खुदाई में मिली थीं। इससे संकेत मिलता है कि ये उसी काल से जुड़ी हैं।

3 लोगों की दर्दनाक मौत...

- उदयपुर में यात्रियों से भरी जीप खाई में गिरी, 27 लोग थे सवार

उदयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के उदयपुर जिले में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। आदिवासी अंचल कोटड़ा में सवारियों से भरी एक जीप अचानक बेकाबू होकर गहरी खाई में जा गिरी। इस भीषण हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक, यह जीप बिलवन की ओर से कोटड़ा की तरफ जा रही थी। जैसे ही वाहन चढ़ाई वाले रास्ते पर पहुंचा, अचानक उसके ब्रेक फेल हो गए। ड्राइवर ने जीप को संभालने की पूरी कोशिश की, लेकिन वजन ज्यादा होने के कारण वाहन पर उसका नियंत्रण नहीं रह सका।

ईरान नहीं सुधरा तो हम उसका नामोनिशान मिटा देंगे : ट्रंप

ट्रंप और खामेनेई में जुबानी जंग, युद्ध तय?

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान एक दूसरे को तबाह करने की धमकियां दे रहे हैं। जिससे आशंका बन गई है कि क्या एक विनाशकारी युद्ध आगे होने वाला है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी देते हुए कहा था कि अगर इस्लामिक देश ईरान उनकी हत्या करता है तो अमेरिका उसका नामोनिशान मिटा देगा। डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूजनेशन के केटी पावलिच टुनाइट पर एक इंटरव्यू में कहा कि मेरे पास बहुत सख्त निर्देश हैं, अगर कुछ भी होता है, तो वे उन्हें इस धरती से मिटा देंगे। इंटरनेशनल मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के सशस्त्र बलों के प्रवक्ता जनरल अबोलफज़्ल शेकरची ने खतरनाक चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि ट्रंप जानते हैं कि अगर हमारे नेता की तरफ आक्रामकता का कोई हाथ बढ़ा, तो हम न सिर्फ उस हाथ को काट देंगे, बल्कि उनकी दुनिया में आग भी लगा देंगे।

मध्यप्रदेश ने हरित ऊर्जा को विकास की मुख्य धारा में किया शामिल : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में रखा मध्यप्रदेश का हरित ऊर्जा विज़न

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम-2026 में शामिल होने पहुँचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'डी-रीस्किंग द ग्रीन लीपः सब नेशनल ब्लू प्रिंट फॉर यूटिलिटी स्केल एनर्जी ट्रांजीशन' विषय पर आयोजित उच्च स्तरीय राउंड टेबल मीटिंग में भागीदारी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य की ऊर्जा यात्रा में नवकरणीय ऊर्जा की केंद्रीय भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नवकरणीय ऊर्जा मध्यप्रदेश के समावेशी और टिकाऊ विकास की आधारशिला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन को प्रेरणा बताते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य स्वच्छ, सस्ती और भरोसेमंद ऊर्जा की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शी सोच से प्रेरित होकर मध्यप्रदेश ने हरित ऊर्जा को विकास की मुख्य धारा में शामिल किया है। उन्होंने बताया कि अंतर्राज्यीय सहयोग और बेहतर समन्वय से राज्य में बिजली और जल आपूर्ति में स्थिरता आई है। इससे आम उपभोक्ताओं के साथ उद्योगों को भी लाभ मिला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य में सौर ऊर्जा एवं ऊर्जा भंडारण से जुड़ी नई नवकरणीय परियोजनाओं की प्रगति और आगामी योजनाओं की जानकारी भी दी।

राउण्ड टेबल मीटिंग के समापन-सत्र में केंद्रीय नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री तथा उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रहलाद जोशी ने भारत और प्रधानमंत्री मोदी के हरित ऊर्जा विज़न को साझा किया। उन्होंने नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में नीति स्थिरता के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि यह उपभोक्ताओं और ऊर्जा क्षेत्र के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। केन्द्रीय मंत्री जोशी ने सुधारोन्मुख राज्यों, विशेषकर मध्यप्रदेश की सराहना की। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की सौर ऊर्जा संबंधित उपलब्धियाँ वैश्विक स्तर पर साझा की जा सकती हैं। उन्होंने श्रम, भूमि और ऊर्जा के बेहतर समन्वय से स्वच्छ ऊर्जा में जोखिम कम करने के मध्यप्रदेश मॉडल को उल्लेखनीय बताया और प्रौद्योगिकी निवेश और ब्लेंडेड फाइनेंस पर ज़ोर दिया। राउण्ड टेबल मीटिंग में मध्यप्रदेश के नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, महानिदेशक, अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन अशोक खन्ना, अपर मुख्य सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मनु श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार मनीष सिंह, प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन राघवेन्द्र कुमार सिंह, प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड डॉ. इलैया राजा टी, आयुक्त जनसम्पर्क दीपक कुमार सक्सेना एवं एमडी एमपीआईडीसी चन्द्रमौली शुक्ला उपस्थित रहे।

विदेश में म.प्र. की नवकरणीय ऊर्जा नीति की हुई सराहना

इंडोनेशिया के ईस्ट जावा प्रांत के उप-राज्यपाल श्री एमिल एलेस्टियान्तो डार्डक ने कहा कि उप-राष्ट्रीय सरकारें भी राष्ट्रीय नीतियों में परिवर्तन की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश की प्रगतिशील नीतियों की सराहना की।

राउंड टेबल मीटिंग में प्रतिभागियों में वैश्विक और घरेलू कंपनियों के कॉरपोरेट प्रतिनिधि और निवेशक शामिल थे, जिन्होंने राज्य की नीतियों, हरित ऊर्जा की उपलब्धता, तथा डेटा सेंटर जैसी नई प्रौद्योगिकी एवं नवाचारों के संबंध में जानकारी ली। चर्चाओं में नियामकीय आवश्यकताओं और जमीनी वास्तविकताओं के बीच संतुलन की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। साथ ही यह भी चर्चा हुई कि किस प्रकार से मध्यप्रदेश जैसे क्षेत्रीय या उप-राष्ट्रीय सरकारें इस क्षेत्र में नवाचार का नेतृत्व कर सकती हैं।

राजस्थान में कोहरे में 4 गाड़ियां टकराईं, 10 घायल

बिहार में 5 ट्रेनें लेट, उत्तराखंड में चीन बॉर्डर के पास नदियां जमीं

नई दिल्ली/लखनऊ/जयपुर/देहरादून (एजेंसी)। राजस्थान के सीकर जिले में बुधवार सुबह धुंध के कारण चार बस-ट्रक की भिड़ंत हो गई। इसके बाद और गाड़ियां बस से टकरा गईं। हादसे में 10 लोग घायल हो गए।

बिहार के अररिया, पूर्णिया सहित 5 जिलों में कोहरा रहा। सुबह विजिबिलिटी कम होने से 5 ट्रेनें लेट चल रही हैं। औरंगाबाद समेत कई शहरों में सुबह से बादल छाए हुए हैं।

मध्य प्रदेश में 23 और 24 जनवरी को ग्वालियर-रीवा समेत 10 जिलों में बारिश का अलर्ट है। इस दौरान कोहरा भी छाया रहेगा। उधर, यूपी सहित देश के 6 राज्यों में दो दिन बाद बारिश की संभावना है। राजस्थान में ओले भी गिर सकते हैं। उत्तरकाशी में चीन सीमा से लगी नेलांग घाटी में नदियां जम गईं। आदि कैलाश (पिथौरागढ़) और केदारनाथ धाम में तापमान -21 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़ और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। कुछ जगहों पर गरज-चमक और तेज हवाएं (30-50 किमी/घंटा) भी चल सकती हैं।

मध्यप्रदेश में 23 और 24 जनवरी को बारिश का अलर्ट है। ऐसा स्ट्रॉन्ग वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से होगा। ग्वालियर-रीवा समेत 10 जिलों में असर रहेगा। बिहार के गोपालगंज-बगहा में घना कोहरा था। 5 से ज्यादा ट्रेनें लेटथी, जनवरी लास्ट में फिर बढ़ेगी ठंड। यूपी में आज से 5 दिन बारिश, फिर ठंड बढ़ेगी,कोहरे से लखनऊ में 8 फ्लाइट्स लेट थी। वहीं छत्तीसगढ़ में सर्दी से राहत, न्यूनतम तापमान 14 डिग्री; सीजन के अंतिम पड़ाव में पहुंची ठंड।

दिल्ली में सुनीता विलियम्स बोलीं-

भारत आना घर वापसी जैसा

- चांद पर जाना चाहती हूं, लेकिन मेरे पति मुझे इजाजत नहीं देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स ने मंगलवार को कहा, इस समय दुनिया में अंतरिक्ष को लेकर एक तरह की होड़ (स्पेस रेस) चल रही है। कई देश चांद और अंतरिक्ष में आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। लक्ष्य सिर्फ पहले पहुंचना नहीं है, बल्कि यह है कि इंसान सुरक्षित, टिकाऊ और लंबे समय तक रहने लायक तरीके से चांद पर जाए। सुनीता ने यह बात दिल्ली के अमेरिकन सेंटर में 'आंखें सितारों पर, पैर जमीं पर' सेमिनार में कहीं। उन्होंने यह भी कहा कि यह काम सबके फायदे, सहयोग और पारदर्शिता के साथ, लोकतांत्रिक तरीके से किया जाना चाहिए, ताकि किसी एक देश का दबदबा न हो और पूरी मानवता को इसका लाभ मिले।

सुबह सवेरे

भोपाल ■ गुरुवार, 22 जनवरी 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

राममंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष नृत्यगोपाल दास की तबीयत बिगड़ी

● 36 घंटे से कुछ भी नहीं खाया, लखनऊ मेदांता रेफर किए गए

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत बिगड़ गई है। 87 साल के नृत्य गोपाल दास को

सोमवार रात से उल्टी-दस्त हो रहे थे। बुधवार सुबह श्रीराम अस्पताल के रिटायर्ड डॉ. एसके पाठक ने उनका चेकअप किया। तुरंत उन्हें लखनऊ मेदांता ले जाने को कहा। जानकारी के मुताबिक, महंत ने पिछले 36 घंटे से कुछ भी नहीं खाया है। श्रीराम हॉस्पिटल के प्रशासनिक अधिकारी वाईपी सिंह ने बताया- महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत खराब होने की सूचना मिली थी। डॉक्टर्स की टीम ने उनकी जांच की।

राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नबीन ने पहली नियुक्तियां कीं

● विनोद तावड़े को केरल चुनाव प्रभारी तो शोभा करंदलाजे को सह प्रभारी बनाया

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने विनोद तावड़े को प्रभारी नियुक्त किया है। केंद्रीय राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे सह-प्रभारी होंगी। केरल के अलावा तावड़े चंडीगढ़ मेयर चुनाव के पर्यवेक्षक भी होंगे।

यूपी विजन डॉक्यूमेंट तैयार, 98 लाख सुझाव आए

● योगी बोले-पंचायतों में भी 30 बैठक की होगी व्यवस्था

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में सीएम योगी ने कहा- यूपी का विजन डॉक्यूमेंट बनकर तैयार है। 500 जनप्रतिनिधियों के साथ 500 इंटलेक्चुअल्स

ने इसे मिलकर बनाया है। इन लोगों ने ग्रास रूट पर 75 जिलों का सर्वे किया। 98 लाख सुझाव आए और फिर इसे तैयार किया।

उन्होंने कहा- विधानसभा में सकारात्मक सोच से काम करेंगे तो परिणाम भी आएंगे। संवैधानिक संस्थाएं पारदर्शी और जवाबदेह बने और इसमें जनभागीदारी भी बढ़े। केवल संसद या विधानसभा को साल में 30 दिन नहीं चलना चाहिए बल्कि यह व्यवस्था पंचायतों में भी लागू होनी चाहिए।

अनूप जलोटा ने रहमान को दी सलाह

● बोले-अगर मुस्लिम होने की वजह से काम नहीं मिल रहा तो हिन्दू बन जाएं

मुंबई (एजेंसी)। म्यूजिक डायरेक्टर ए.आर. रहमान के काम न मिलने वाले बयान पर सिंगर अनूप जलोटा ने प्रतिक्रिया देते हुए रहमान को सलाह दी है कि अगर उन्हें मुस्लिम होने की वजह से काम नहीं मिल रहा है, तो वे वापस हिंदू बन जाएं।

86वें पीठासीन अधिकारी सम्मलेन में मप्र विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर का उद्बोधन

विधायकों और लोकतंत्र मजबूत बनाने वाले तत्वों का संरक्षण करे विधायिका: तोमर

लखनऊ/भोपाल। जनता के विश्वास की रक्षा करना हमारा सर्वोच्च दायित्व है। यह विश्वास ही हमारी शक्ति है और यही हमारी जिम्मेदारी भी। विधायिका के सदस्यों का आचरण, सदन के भीतर और बाहर दोनों ही स्थानों पर, लोकतंत्र की साख से जुड़ा होता है। आज यह आवश्यक है कि हम केवल सिद्धांतों पर चर्चा न करें, बल्कि व्यवहार में भी जवाबदेही को और सुदृढ़ करने के उपायों पर विचार करें। जब एक जनप्रतिनिधि जनता के हित की बात करता है तो लोकतंत्र मजबूत होता है। हमें सोचना होगा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने वाले तत्वों का विधायिका कैसे पालन करे और पालन करवाए। हमारी शक्ति विधायकों सहित लोकतंत्र को मजबूत बनाने वाले तत्वों के संरक्षण में लगनी चाहिए।

यह बात मध्यप्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने लखनऊ में आयोजित 86वें पीठासीन अधिकारी सम्मलेन में कही। आयोजन में लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला सहित विभिन्य राज्यों की विधानसभाओं के अध्यक्ष, प्रमुख सचिव, सचिव एवं उत्तरप्रदेश विधानसभा के अधिकारी उपस्थित थे। 'जनता के प्रति विधायिका की जवाबदेही' विषय पर बोलते हुए मप्र विधानसभा के अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने विधायिका के दायित्वों, उनकी चुनौतियों और समाधान पर विस्तृत विचार रखे। श्री तोमर ने कहा कि भारत की शासन व्यवस्था में सत्ता का जनता के प्रति उत्तरदायी होना वैदिक काल से है। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभुश्री रामचंद्र जी के द्वारा स्थापित 'राम राज्य' वस्तुतः जनोन्मुखी शासन प्रणाली ही है। सम्राट विक्रमादित्य और सम्राट अशोक जैसे कई राजा हुए जिनका शासन जन कल्याण के लिए सदैव उदाहरण के रूप में उल्लेखित किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा संविधान में निहित है और संविधान की जीवनरेखा विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच संतुलन में है। इनमें विधायिका को यह विशिष्ट स्थान प्राप्त है कि वह सीधे जनता के मत से निर्मित होती है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसका जनाधार होता है और उस जनाधार का सबसे सशक्त संवैधानिक मंच विधायिका है। आज के समय में जवाबदेही की परिभाषा और भी व्यापक हो गई है। सूचना का अधिकार, डिजिटल माध्यम, सोशल मीडिया और जागरूक नागरिक समाज ने विधायिका के समक्ष नई चुनौतियाँ और नए अवसर दोनों प्रस्तुत किए हैं। जनता अब केवल चुनाव के समय नहीं, बल्कि निरंतर अपने प्रतिनिधियों के कार्यों पर दृष्टि रखती है। ऐसे में विधायिका के सदस्यों का आचरण, सदन के भीतर और बाहर दोनों ही स्थानों पर, लोकतंत्र की साख से जुड़ा होता है। गरिमापूर्ण व्यवहार, मर्यादित भाषा और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति सम्मान-ये सभी विधायिका की जवाबदेही के अभिन्न अंग हैं।

इस संबंध में मध्यप्रदेश विधानसभा की भूमिका का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश विधानसभा ने अपने गठन से लेकर आज तक लोकतांत्रिक मूल्यों, संसदीय परंपराओं और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता का एक सशक्त उदाहरण प्रस्तुत किया है। सदन की कार्यवाही को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनोन्मुखी बनाने के लिए समय-समय पर अनेक नवाचार किए गए हैं। विधायी समितियों की सक्रियता, प्रश्नकाल की सार्थकता, तथा सदन में रचनात्मक और विषयपरक चर्चाएँ-ये सभी जनता के प्रति जवाबदेही को मजबूत करने के प्रयास हैं। मध्यप्रदेश विधानसभा ने यह भी सिद्ध किया है कि जवाबदेही केवल कानून बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक न्याय के प्रति संवेदनशीलता भी इसका अनिवार्य हिस्सा है। कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, अनुसूचित वर्गों के कल्याण और क्षेत्रीय संतुलन जैसे विषयों पर सदन में हुई चर्चाएँ इस बात का प्रमाण हैं कि विधायिका जनता के जीवन से जुड़े वास्तविक मुद्दों को प्राथमिकता देती है। जब सदन में किसी दूरस्थ क्षेत्र के नागरिक की समस्या उठती है और उस पर गंभीर विमर्श होता है, तब लोकतंत्र अपनी पूर्णता की ओर बढ़ता है।

श्री तोमन ने कहा कि विधायिका की जवाबदेही का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि वह कार्यपालिका पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करे। प्रश्न पूछना, नीतियों की समीक्षा करना, सार्वजनिक व्यय पर निगरानी रखना और प्रशासनिक निर्णयों पर चर्चा करना-ये सभी विधायिका के वे दायित्व हैं, जिनके माध्यम से जनता के हितों की रक्षा होती है। यदि विधायिका सजग, सक्रिय और निष्पक्ष है, तो प्रशासन भी अधिक उत्तरदायी और पारदर्शी बनता है। विधायिका की जवाबदेही का एक अन्य महत्वपूर्ण आयाम आंतरिक अनुशासन और आत्मसंयम बताते हुए उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन हमें यह अवसर प्रदान करता है कि हम अपने कार्य, आचरण और निर्णयों को जनता की कसौटी पर परखें और यह सुनिश्चित करें कि विधायिका वास्तव में जन-इच्छा की सच्ची प्रतिनिधि बनी रहे। आज जब हम इस सम्मेलन में एकत्रित हैं, तब यह आवश्यक है कि हम केवल सिद्धांतों पर चर्चा न करें, बल्कि व्यवहार में भी जवाबदेही को और सुदृढ़ करने के उपायों पर विचार करें। पीठासीन अधिकारियों की भूमिका इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे सदन के संरक्षक होते हैं, परंपराओं के संवाहक होते हैं और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रहरी होते हैं। उनका निष्पक्ष, संतुलित और संवेदनशील दृष्टिकोण ही सदन को दिशा देता है और जनता के विश्वास को मजबूत करता है।

सुखना झील को कितना सुखाओगे?

सुप्रीम कोर्ट ने चंडीगढ़ की झील को लेकर जताई चिंता

अरावली पर विशेषज्ञ समिति का गठन का निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने चंडीगढ़ की मशहूर सुखना झील के सूखने पर चिंता जताई है। हरियाणा सरकार को पिछली गलतियों को न दोहराने की चेतावनी देते हुए चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि अधिकारियों और बिल्डर माफिया की मिलीभगत के कारण सुखना झील पूरी तरह से खराब हो चुकी है। बेंच में सीजेआई सूर्यकांत के अलावा जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल पंचोली शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी अरावली पहाड़ियों के मामले पर सुनवाई करते हुए की।

सुखना झील का लगातार गिर रहा जलस्तर

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्य के अधिकारियों और राजनेताओं की मिलीभगत से बिल्डर माफिया काम कर रहा है। आप सुखना झील को कितना सुखाओगे? आपने झील को तो पूरी तरह से खराब कर दिया है। दरअसल, बारिश के पानी पर निर्भर सुखना झील कभी चंडीगढ़ का प्रमुख पर्यटन केंद्र हुआ करती थी, लेकिन बीते वर्षों में लगातार गिरते जलस्तर ने इसकी सुंदरता और अस्तित्व दोनों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अरावली पर विशेषज्ञ समिति के गठन का निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि अवैध खनन से अपूरणीय क्षति हो सकती है, इसलिए वह अरावली में खनन और संबंधित मुद्दों की व्यापक एवं समग्र जांच के लिए संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों की एक समिति गठित करेगा। सीजेआई सूर्यकांत,

जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी और न्यायमित्र के. परमेश्वर को चार सप्ताह के भीतर खनन क्षेत्र के विशेषज्ञ पर्यावरणविदों और वैज्ञानिकों के नाम सुझाने का निर्देश दिया, ताकि विभिन्न पहलुओं की जांच के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया जा सके। बेंच ने कहा कि समिति इस न्यायालय के निर्देशन और निगरानी में कार्य करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने उस आदेश को भी विस्तारित किया, जिसमें अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा को स्वीकार करने वाले 20 नवंबर के निर्देशों को स्थगित रखा गया था।

प्रयागराज में एयरफोर्स का प्लेन क्रैश

तालाब में गिरा

शहर के बीचों-बीच हवा में डगमगाया, 2 पायलट को बचाया, माघ मेला से 3 किमी दूर हादसा

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज में एयरफोर्स का ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया। एयरक्राफ्ट हवा में उड़ते-उड़ते डगमगाया और तालाब में गिर गया। 2 सीटर एयरक्राफ्ट में सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं।

पीआरओ डिफेंस विंग कमांडर देबार्थो धर ने बताया, माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट बमरौली एयरफोर्स स्टेशन से उड़ान भरते समय तकनीकी खराबी का शिकार हो गया।

उन्होंने बताया, दोनों पायलटों ने सुझबूझ दिखाते हुए एयरक्राफ्ट को सुनसान इलाके में उतारा, जिससे आम लोगों की जान-माल को नुकसान नहीं हुआ। हादसे की वजह पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी का आदेश दिया गया है।

हादसा बुधवार दोपहर 12 बजे केपी कॉलेज के पीछे हुआ। यह शहर के बीचों-बीच का इलाका है।

एयरफोर्स ने कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के आदेश दिए

पीआरओ डिफेंस विंग कमांडर देबार्थो धर ने बताया- आईएएफ का माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट बमरौली एयरफोर्स स्टेशन से उड़ान भरते समय तकनीकी खराबी का शिकार हो गया। उसे सुरक्षित रूप से सुनसान इलाके में उतारा गया, जिससे आम लोगों की जान-माल को कोई नुकसान नहीं हुआ। विमान में सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं।

अविमुक्तेश्वरानंद की चेतावनी-नोटिस वापस लें

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज में मौनी अमावस्या पर स्नान को लेकर प्रशासन और स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के बीच शुरू हुआ विवाद अब शंकराचार्य की पदवी तक पहुंच गया है। अविमुक्तेश्वरानंद ने 24 घंटे में मेला प्रशासन को 8

पेजों का जवाब ई-मेल के जरिए भेजा है। नोटिस को मनमाना, दुर्भावनापूर्ण और असंवैधानिक बताया। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा कोई आदेश नहीं दिया है, जिससे अविमुक्तेश्वरानंद को शंकराचार्य पद पर बने रहने से रोका गया हो। मामला कोर्ट में विचाराधीन है, इसलिए किसी भी तीसरे पक्ष को टिप्पणी करने या रोक लगाने का अधिकार नहीं है। उन्होंने प्रशासन को नोटिस वापस लेने की चेतावनी भी दी है। कहा है कि अगर ऐसा नहीं किया गया तो कोर्ट में मानहानि का दावा करेंगे।

हरियाणा-उत्तराखंड के जिलाध्यक्षों को राहुल गांधी की ट्रेनिंग

● कुरुक्षेत्र में इनके परिवारों से भी मिले; सीनियर लीडर्स को एंट्री नहीं, अलग कमरे में बैठे

कुरुक्षेत्र (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी (21 जनवरी) हरियाणा दौरे पर थे। सुबह 10:20 बजे अंबाला एयरफोर्स स्टेशन पर उनका प्लेन लैंड हुआ था, जहां कांग्रेस प्रभारी बीके हरिप्रसाद, प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह और पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने उनका स्वागत किया।

इसके बाद राहुल गांधी सड़क मार्ग से कुरुक्षेत्र पहुंचे, जहां वे पंजाबी धर्मशाला में चल रहे 'संगठन सृजन अभियान' के ट्रेनिंग कैंप में हिस्सा लिया। यहां उन्होंने सबसे पहले हरियाणा और उत्तराखंड के कांग्रेस जिला अध्यक्षों के परिवारों से मुलाकात की। अब राहुल जिला अध्यक्षों को बंद हॉल में ट्रेनिंग दे रहे थे। सूत्रों के मुताबिक, ट्रेनिंग में जिला अध्यक्षों के अलावा किसी नेता को नहीं जाने दिया गया। नेता अलग कमरे में बैठे हैं। धर्मशाला में राव नरेंद्र सिंह, भूपेंद्र सिंह हुड्डा के अलावा, सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा, राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला समेत विधायक और सांसद भी मौजूद थे।

जिला अध्यक्ष की बेटी बोली- छात्रों की बातें रखी- राहुल गांधी से मुलाकात के बाद चरखी दादरी से कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सुशील धानक की बेटी जसबीर बॉक्सर ने कहा- मैंने राहुल गांधी से मुलाकात की।

संभल हिंसा

मास्टरमाइंड फरार गैंगस्टर का घर कुर्क

संभल (एजेंसी)। संभल हिंसा के मास्टरमाइंड और कुख्यात फरार गैंगस्टर शारिक उर्फ साठा पर पुलिस का एक्शन जारी है। कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस उसके घर की कुर्की कर रही है। सुबह 11 बजे से ही 5 थानों नक्खाशा, रायसत्ती, संभल कोतवाली, हयातनगर और एएचटीयू के 100 से अधिक

शारिक साठा, संभल हिंसा मास्टरमाइंड

पुलिसवाले साठा के घर पहुंचे।

नखासा थाना क्षेत्र के मोहल्ला हिंदूपुरा खेड़ा पजाया में स्थित घर के आसपास पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। पुलिस प्रशासन पहले इलाके में डुगडुगी बजाकर एक्शन के बारे में अनाउंस किया। फिर साठा के घर पर एक्शन शुरू किया।

ग्लोबल स्किल पार्क का साउथ कोरिया के प्रतिनिधिमंडल, आईएफएस अधिकारियों एवं विद्यार्थियों ने किया भ्रमण

भारत और साउथ कोरिया के बीच तकनीकी और अकादमिक सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर हुई चर्चा

भोपाल। साउथ कोरिया के प्रतिनिधिमंडल, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों और शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने बुधवार को संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क का भ्रमण किया। दल ने कौशल विकास, उद्योग से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रम को करीब से देखा और समझा।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद और कोरिया इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी, साउथ कोरिया के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अंतर्गत प्रस्तावित वोकेशनल मेकाट्रॉनिक्स प्रयोगशाला की स्थापना के परिप्रेक्ष्य में साउथ कोरिया गणराज्य का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल बुधवार को ग्लोबल स्किल पार्क पहुँचा। प्रतिनिधिमंडल में श्री चो जियोंग यून, श्री लिम चंकीयो, श्री कांग सुंग बॉन्ग, श्री पार्क चुल सु, श्री किम यंग सैंग, श्री किम मिंक यू, श्री किम सुंगयोंग तथा श्री किम मिनसू शामिल रहे। प्रतिनिधियों ने पार्क में स्थापित हाई-टेक प्रशिक्षण प्रयोगशालाओं, आधुनिक मशीनरी, इंडस्ट्री-ग्रेड प्रशिक्षण सुविधाओं और उद्योग की जरूरतों के अनुरूप तैयार किए गए पाठ्यक्रमों का अवलोकन किया। इस दौरान भारत और साउथ कोरिया के बीच तकनीकी और अकादमिक सहयोग को आगे बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा की गई।

इसी क्रम में आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी, भोपाल में आयोजित राज्य प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत भारतीय विदेश सेवा (ढ्ढस्नस्) 2025 बैच के अधिकारियों ने भी ग्लोबल स्किल पार्क का शैक्षणिक एवं औद्योगिक भ्रमण किया। अधिकारियों ने कौशल आधारित शिक्षा मॉडल, उद्योगों की भागीदारी, प्रशिक्षण से रोजगार तक की प्रक्रिया और इंडस्ट्री-रेडी युवाओं के निर्माण की व्यवस्था को समझा और इसकी सराहना की।

इसके साथ ही शासकीय हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों के विद्यार्थियों को उच्च शैक्षणिक संस्थानों से जोड़ने की पहल के तहत सत्र 2025-26 में भोपाल जिले के चयनित विद्यालयों से कक्षा 9वीं से 12वीं तक के 500 से अधिक विद्यार्थियों एवं उनके शिक्षकों ने भी ग्लोबल स्किल पार्क का भ्रमण किया। कार्यक्रम की शुरुआत ग्लोबल स्किल पार्क के एंथम और प्रेरणादायक वीडियो फिल्मों के प्रदर्शन के साथ की गई।

एक्सपोज़र विज़िट के दौरान विद्यार्थियों ने हाई-टेक लैब्स, आधुनिक लाइब्रेरी, इंडस्ट्री-ग्रेड प्रशिक्षण सुविधाओं और अत्याधुनिक अधोसंरचना को नज़दीक से देखा। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, प्रवेश प्रक्रियाओं, कौशल प्रशिक्षण और रोजगार व करियर से जुड़ी संभावनाओं की व्यावहारिक जानकारी देना रहा, ताकि वे अपने भविष्य को लेकर बेहतर और आत्मविश्वासपूर्ण निर्णय ले सकें।

गत वर्ष से 8 लाख 22 हजार मीट्रिक टन अधिक हुई धान की खरीदी : राजपूत

इस वर्ष समर्थन मूल्य पर 51 लाख 75 हजार मीट्रिक टन से अधिक हुई धान की खरीदी

भोपाल (नप्र)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि धान उपार्जन के लिये निर्धारित तिथि 20 जनवरी तक गत वर्ष से 8 लाख 22 हजार मीट्रिक टन अधिक धान की खरीदी हुई है। इस वर्ष 7 लाख 62 हजार 629 किसानों से 51 लाख 75 हजार 4 मीट्रिक टन धान की खरीदी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की गई है। उन्होंने बताया है कि गत वर्ष 43 लाख 52 हजार 905 मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई थी। धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2369 रूपये प्रति क्विंटल है। किसानों को अभी तक 9485 करोड़ रूपये से अधिक राशि का भुगतान भी किया जा चुका है।

उल्लेखनीय है कि धान विक्रय के लिये 8 लाख 59 हजार 822 किसानों ने पंजीयन कराया था। एक दिसम्बर से शुरू हुई धान खरीदी के लिये विभिन्न जिलों में 1436 केन्द्र बनाये गये थे। क्रय की गयी धान की 84 प्रतिशत मात्रा 43 लाख 55 हजार 879 मीट्रिक टन का परिवहन किया जा चुका है।

उच्च न्यायालय के निर्देशों की अवहेलना पर संयुक्त संचालक निलंबित

आयुक्त नगरीय विकास एवं आवास श्री भोंडवे ने जारी किये आदेश

भोपाल (नप्र)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग आयुक्त श्री संकेत भोंडवे द्वारा नर्मदापुरम संभाग में पदस्थ संयुक्त संचालक श्री राधेश्याम मण्डलोई को म.प्र. उच्च न्यायालय के निर्देशों की अवहेलना के प्रकरण में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

आदेशानुसार रिट याचिका क्रमांक 23618/2025 दुर्गा सिंह चंदेल विरुद्ध मध्यप्रदेश शासन एवं अन्य में विभाग की ओर से प्रभारी अधिकारी के रूप में श्री मण्डलोई को नामित किया गया था। उक्त प्रकरण में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर के समक्ष विभागीय जवाबदावा निर्धारित समय-सीमा में प्रस्तुत किया जाना था, किंतु श्री मण्डलोई द्वारा समय-सीमा में जवाबदावा प्रस्तुत नहीं किया गया। निलंबन अवधि के दौरान श्री मण्डलोई का मुख्यालय, संचालनालय, नगरीय प्रशासन एवं विकास, भोपाल निर्धारित किया गया है।

आयुक्त श्री भोंडवे ने कहा कि संबंधित अधिकारी द्वारा किया गया कृत्य शासकीय दायित्वों के प्रति घोर लापरवाही एवं अनुशासनहीनता है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। शासन द्वारा न्यायालयीन निर्देशों के पालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

प्रदेश में बनेगी पहली सहकारी क्षेत्र की अत्याधुनिक राज्य स्तरीय डेयरी परीक्षण प्रयोगशाला

आम उपभोक्ता भी करा सकेंगे दूध व दुग्ध उत्पादों की जांच

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में पहली सहकारी क्षेत्र की अत्याधुनिक केन्द्रीय राज्य स्तरीय डेयरी परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल में स्थापित की जा रही है, जिसका अधिकांश निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। यह प्रयोगशाला केन्द्र सरकार के पशुपालन एवं डेयरी विभाग की नेशनल प्रोग्राम फॉर डेयरी डेवलपमेंट परियोजना के अंतर्गत स्वीकृत की गई है। मध्यप्रदेश राज्य में मध्यप्रदेश स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन, भोपाल में सहकारिता क्षेत्र की यह पहली राज्य स्तरीय प्रयोगशाला होगी। राज्य स्तरीय डेयरी परीक्षण प्रयोगशाला में आम उपभोक्ता भी दूध एवं दुग्ध उत्पादों की जांच करा सकेंगे। यदि आपके घर में आने वाले दूध या उससे बने उत्पादों में मिलावट की आशंका है, तो अब जांच के लिए भटकना नहीं पड़ेगा, जहां आम उपभोक्ता के साथ देश एवं प्रदेश की खाद्य उत्पादक संस्थाएं भी दूध और दुग्ध उत्पादों का परीक्षण करा सकेंगी।

उपभोक्ताओं को मिलेगा शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण दुग्ध उत्पाद- परियोजना का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं की अपेक्षाओं के अनुरूप उच्च गुणवत्ता वाला दूध एवं दुग्ध उत्पाद उचित मूल्य पर उपलब्ध कराना तथा खाद्य सुरक्षा मानकों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है। प्रदेश में अब तक दूध एवं दुग्ध उत्पादों की जांच एक बड़ी चुनौती रही है, जिसे ध्यान में रखते हुए यह अत्याधुनिक प्रयोगशाला स्थापित की जा रही है।

राज्यपाल से प्रशिक्षु आई.ए.एफ.एस. अधिकारियों ने की शिष्टाचार भेंट

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल से बुधवार को लोकभवन में भारतीय प्रशासनिक विदेश सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल ने सभी अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक विदेश सेवा में चयन की बधाई दी। उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। राज्यपाल श्री पटेल को आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा प्रशासन अकादमी भोपाल की सह-संचालक श्रीमती नेहा भारतीय ने पौधा भेंट कर अभिनंदन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम की गतिविधियों की जानकारी दी। प्रशिक्षु अधिकारियों ने भी स्मृति-चिन्ह भेंट किया।

मुख्यमंत्री ने मेघालय, मणिपुर और त्रिपुरा के स्थापना दिवस पर दी बधाई

भोपाल(नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मेघालय, मणिपुर और त्रिपुरा के स्थापना दिवस की राज्यवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मेघालय भारत का गौरव है। यह राज्य पर्वतमालाओं, नैसर्गिक सौंदर्य और समृद्ध जनजातीय संस्कृति से परिपूर्ण है। वहीं त्रिपुरा, माँ त्रिपुरसुंदरी जी की कृपा से अभिसिंचित और अद्वितीय नैसर्गिक सौंदर्य के लिए सुविख्यात है। भारत के 'गहने' के रूप में प्रसिद्ध मणिपुर भी अपनी अद्वितीय कला एवं समृद्ध संस्कृति के लिए विशिष्ट पहचान रखता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बाबा महाकाल से यही मंगलकामना है। प्रकृति की गोद में बसे यह तीनों राज्य विकास के नए आयाम गढ़ते हुए सदैव प्रगति करें, नागरिकों के जीवन में सुख-समृद्धि और उल्लास बना रहे।

मावठा, कोहरा और तेज ठंड के ट्रिपल अटैक का अलर्ट

एमपी में ग्वालियर समेत 10 जिलों में 23 से बारिश होगी, मंदसौर में तापमान 6 डिग्री

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में 23 और 24 जनवरी को मावठा गिरने यानी, बारिश का अलर्ट है। ऐसा स्ट्रॉन्ग वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से होगा। ग्वालियर-रीवा समेत 10 जिलों में असर रहेगा। इस दौरान कोहरा भी छाया रहेगा। बुधवार सुबह भी कई जिलों में हल्के से मध्यम कोहरे का असर देखा जा रहा है।

आज ग्वालियर, भिंड, दतिया, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना और रीवा में मध्यम कोहरा रहा। वहीं, भोपाल, इंदौर, उज्जैन समेत कई शहरों में हल्के कोहरे का असर देखने को मिला। मौसम विभाग के अनुसार, रात के तापमान स्थिर रहे। दिन में धूप खिली रहने से ठंड का असर नहीं रहेगा। न्यूनतम और अधिकतम दोनों ही तापमान में बढ़ोतरी होगी।

जनवरी के आखिरी में तेज ठंड रहेगी- मौसम विभाग के अनुसार, वेस्टर्न डिस्टरबेंस गुजरने के बाद ठंड का एक और दौर आएगा। पारे में गिरावट हो सकती है। कोल्ड वेव यानी, शीतलहर चलने का अनुमान भी है। जनवरी के आखिरी दिनों में ऐसा होगा। इससे पहले दिन में गर्मी और रातें ठंडी रहेगी।

यहां बारिश होने का अनुमान- 23 जनवरी- ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड और दतिया।

24 जनवरी- ग्वालियर, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा और मऊगंज।

अभी दो सिस्टम एक्टिव- मौसम विभाग के अनुसार, अभी एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस पाकिस्तान के ऊपर है, जो 21 जनवरी की रात में उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकता है। इसके असर से ही 23 और 24 जनवरी को मध्यप्रदेश में बारिश होने के आसार है। इसके अलावा एक साइक्लोनिक सकुर्लेशन की एक्टिविटी है। मंगलवार को नर्मदापुरम समेत कई जिलों में बादल रहे। उत्तर भारत के ऊपर 12.6 किमी की ऊंचाई पर करीब 241 किलोमीटर प्रतिघंटा के हिसाब से जेट स्ट्रीम हवाएं बह रही है। इसका असर प्रदेश के कुछ शहरों में देखा जा रहा है।

प्रदेश में सबसे ठंडा मंदसौर, इंदौर में भी पारे में गिरावट

मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार-मंगलवार रात प्रदेश का सबसे ठंडा शहर मंदसौर रहा। यहां न्यूनतम तापमान 5.9 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। राजगढ़ में 6.6 डिग्री, शाजापुर में 7.1 डिग्री, दतिया में 8.6 डिग्री, शिवपुरी में 9 डिग्री, मंडला-खजुराहो में 9.5 डिग्री दर्ज किया गया। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 9.8 डिग्री, इंदौर में 8.4 डिग्री, ग्वालियर में 10 डिग्री, उज्जैन में 9.8 डिग्री और जबलपुर में पारा 14.5 डिग्री सेल्सियस रहा। बाकी शहरों में भी न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी रही और यह 10 डिग्री से ऊपर ही रहे।

क्या होता है वेस्टर्न डिस्टरबेंस

मौसम विभाग के अनुसार, वेस्टर्न डिस्टरबेंस पश्चिम से आने वाली हवा और बादलों का एक सिस्टम होता है। इसके एक्टिव होने से पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी, मैदानी क्षेत्रों में बारिश होगी। सिस्टम आगे गुजर जाने के बाद उत्तर से आने वाली हवा ठंडी रहती है। जिससे दिन-रात ठंड का असर रहता है।

ठंड के लिए इसलिए खास है जनवरी

मौसम विभाग के अनुसार, जिस तरह मानसून के चार महीने (जून, जुलाई, अगस्त और सितंबर) में से दो महीने जुलाई-अगस्त अहम रहते हैं और इन्हीं में 60 प्रतिशत या इससे अधिक बारिश हो जाती है, ठीक उसी तरह दिसंबर और जनवरी में कड़ाके की ठंड पड़ती है।

इन्हीं दो महीने में प्रदेश में उत्तर भारत से सर्द हवाएं ज्यादा आती हैं, इसलिए टेम्परेचर में अच्छी-खासी गिरावट आती है। सर्द हवाएं भी चलती हैं। पिछले 10 साल के आंकड़े यही ट्रेंड बताते हैं। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के एक्टिव होने से जनवरी में मावठा भी गिरता है। पिछले साल कई जिलों में बारिश हुई थी। इस बार साल के पहले ही दिन बादल भी छाए रहे।

करोंद में क्रेन में फंसी प्रतिमा, टूटी

26 जनवरी तक उसी जगह भगत सिंह की प्रतिमा लगाने की मांग, 27 को प्रदर्शन की चेतावनी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के करोंद चौराहा स्थित सबसे पुरानी शहीद भगत सिंह की प्रतिमा मेट्रो निर्माण के दौरान क्रेन की टक्कर से टूट गई। इससे हिंदूवादी संगठनों में नाराजगी है। बुधवार को वे करोंद थाने पहुंचे और नगर निगम कमिश्नर संस्कृति जैन के नाम ज्ञापन सौंपा। इसमें 26 जनवरी तक उसी जगह पर भगत सिंह की प्रतिमा लगाने की मांग की गई। वर्ना, 27 जनवरी को बड़े प्रदर्शन की चेतावनी दी गई।

प्रतिमा टूटने के मामले में मेट्रो कॉर्पोरेशन और नगर निगम एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डाल रहे हैं। मेट्रो प्रबंधन का दावा है कि मूर्ति विस्थापित करने के लिए नगर निगम को अप्रैल 2025 में पत्र लिखा था। तर्क दिया था कि मेट्रो वायाडक्ट निर्माण के दौरान इस चौराहा पर बड़ी मशीनरी का बार-बार आवागमन होगा, इसलिए सुरक्षार्थ प्रतिमा को हटा दिया जाए।

हालांकि, निगम अफसरों ने जवाब दिया कि हमें प्रतिमा विस्थापन के लिए कोई पत्र नहीं मिला है। यह प्रतिमा सोमवार-मंगलवार की रात में हुई थी। क्रेन में बिजली के तार फंस गए। इन्हें छुड़ाने में टक्कर से प्रतिमा टूट गई।

निशातपुरा थाने पहुंचे कई लोग

करोंद चौराहे पर शहीद भगत सिंह की प्रतिमा टूटने के मामले में लोगों में नाराजगी है। इसके चलते बुधवार को कई लोग निशातपुरा थाने पहुंचे और शिकायत की। पुलिस को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि 26 जनवरी तक उसी स्थान पर प्रतिमा स्थापित की जाए। यदि ऐसा नहीं होता है तो अगले ही दिन बड़ा प्रदर्शन करेंगे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने थल सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी से की सौजन्य भेंट

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने नई दिल्ली में भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी से सौजन्य भेंट की। उन्होंने समसामयिक विषयों, जनहित से जुड़े मुद्दों और विभिन्न सामाजिक एवं राष्ट्रीय विषयों पर चर्चा की।

नगरपालिका परिषद देवरी में श्रीमती नेहा अलकेश जैन पूर्ववत अध्यक्ष रहेंगी

भोपाल (नप्र)। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री दीपक सिंह ने जानकारी दी है कि सागर जिले की नगरपालिका परिषद देवरी की अध्यक्ष श्रीमती नेहा अलकेश जैन को वापस बुलाने के संबंध में 19 जनवरी को हुए मतदान में कुल 13 हजार 367 मत पड़े थे। मतगणना 21 जनवरी को हुई, जिसमें 6085 मत वापस बुलाने के पक्ष में तथा 7282 मत वापस बुलाने के विरूद्ध थे। मतगणना परिणाम के अनुसार श्रीमती नेहा अलकेश जैन पूर्ववत अध्यक्ष बनी रहेंगी।

उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा वर्ष 2000 में विधि संशोधन कर महापौर/अध्यक्ष को पद से वापस बुलाने का प्रावधान किया गया था। इसके तहत वर्ष 2018 तक 41 निर्वाचन अध्यक्ष पद से वापस बुलाने के लिये हुए। इसमें से 21 अध्यक्ष पद पर यथावत रहे तथा 20 अध्यक्ष पद से मुक्त हुए। इसके बाद यह प्रावधान समाप्त कर दिया गया था।

वर्ष 2025 में विधि संशोधन कर पुनः अध्यक्ष को पद से वापस बुलाने का प्रावधान किया गया। इस प्रावधान के तहत नगरपालिका परिषद देवरी में पहला चुनाव कराया गया।

मंत्री सुश्री भूरिया की वर्ल्ड बैंक अधिकारियों के साथ बैठक हुई

भोपाल (नप्र)। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया की अध्यक्षता में वर्ल्ड बैंक के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में महिला सशक्तिकरण, पोषण, बाल विकास तथा सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन एवं उनके प्रभाव पर विस्तृत चर्चा हुई। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं और बच्चों के सर्वांगीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने वर्ल्ड बैंक के सहयोग से संचालित परियोजनाओं को जमीनी स्तर पर और अधिक प्रभावी बनाने पर बल दिया। बैठक में पोषण अभियान, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, किशोरी बालिकाओं के सशक्तिकरण, क्षमता निर्माण एवं नवाचारों पर विशेष रूप से चर्चा की गई। वर्ल्ड बैंक के अधिकारियों ने राज्य सरकार द्वारा सामाजिक क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा तकनीकी सहयोग, और भविष्य की कार्य-योजनाओं को लेकर अपने सुझाव साझा किए। उन्होंने राज्य के साथ निरंतर समन्वय एवं सहयोग की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवक ने सुसाइड किया

भोपाल में पत्नी की साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगाई; 3 साल पहले हुई थी शादी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के ऐशबाग इलाके में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवक ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। बुधवार तड़के पत्नी ने शव देखा और परिजन को सूचना दी। परिजन की सूचना पर पहुंची पुलिस ने बॉडी को फंदे से उतारकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया।

ऐशबाग पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मौके से फिलहाल कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मृतक का मोबाइल फोन कब्जे में ले लिया है, जिसकी जांच की जा रही है। धीरेन्द्र सिंह जाट (28) पुत्र माधव सिंह जाट मूल रूप से ग्वालियर का रहने वाला था। वह भोपाल के ऐशबाग इलाके में शालीमार स्लेयिंग अपार्टमेंट में पत्नी के साथ रहता था।

वह भोपाल के एक प्राइवेट कॉलेज से बीटेक करने के बाद 7 साल से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। 3 साल पहले परिवार ने ग्वालियर की ही एक युवती से उसकी शादी कराई थी।

भारत भवन के मंचों पर जय, अभिमन्यु वध व अंधायुग का मंचन

महाभारत समागम

भोपाल। 'वीर भारत न्यास' द्वारा आयोजित सभ्यताओं के संघर्ष एवं औदार्य की महागाथा पर केंद्रित महाभारत समागम के पाँचवें दिन बहिरंग के मंच पर महाभारत की शाश्वत कथा को 21वीं सदी की संवेदना के साथ प्रस्तुत करती संगीत-नाट्य प्रस्तुति जय दर्शकों के लिए एक अनोखा और प्रभावशाली अनुभव लेकर आयी। विश्वस्तरीय लाइटिंग, भव्य सेट, सुसज्जित परिधान, अत्याधुनिक साउंड और सशक्त लाइव गायन के साथ प्रस्तुति दृश्य और श्रव्य दोनों स्तरों पर प्रभाव छोड़ती है। द प्राइम टाइम थिएटर कंपनी, मुंबई द्वारा प्रस्तुत यह रॉक म्यूजिकल अंग्रेज़ी भाषा में मंचित किया गया, जिसका निर्देशन देश की प्रख्यात रंगनिर्देशक लिलेट दुबे ने किया है। इसके पहले पूर्वरंग मंच पर साधु चरण महतो द्वारा निर्देशित पुरूलिया छाऊ शैली में अभिमन्यु वध तथा अंतरंग सभागार में जॉय द्वारा निर्देशित नाट्य प्रस्तुति अंधायुग का मंचन किया गया। वीर भारत न्यास के न्यासी सचिव श्रीराम तिवारी द्वारा सभी कलाकारों को मोमेंटो भेंट कर स्वागत और अभिनंदन किया गया।

रॉक म्यूजिकल के रूप में महाभारत की समकालीन प्रस्तुति

'जय' महाभारत की प्रमुख घटनाओं को युधिष्ठिर की दृष्टि से एक नाटकीय मोंटाज शैली में प्रस्तुत करता है। नाटक में सत्य, शक्ति और भाग्य जैसे प्रश्नों को दुर्योधन और कर्ण के विपरीत दृष्टिकोणों के माध्यम से उभारा गया है, वहीं श्रीकृष्ण का गीता उपदेश कथा का नैतिक और दार्शनिक केंद्र बनता है। यह प्रस्तुति दर्शकों को सोचने पर विवश करती है कि आज के समय में धर्म और निर्णयों का क्या अर्थ है।

संदीप कांजीलाल द्वारा लिखित इस नाटक का मौलिक और ऊर्जावान संगीत आशुतोष पाठक ने रचा है। रॉक म्यूजिक, मंत्रोच्चार, कृष्ण की बांसुरी, कलरिपयट्टू और कथक का समन्वय इसे विशिष्ट बनाता है।

अभिमन्यु वध : वीरता और करुणा का प्रभावी चित्रण

पुरुलिया छाऊ नृत्य शैली में प्रस्तुत अभिमन्यु वध नृत्य-नाटिका ने दर्शकों को गहरे भावनात्मक स्तर पर प्रभावित किया। निर्देशक साधुचरण महतो के कुशल निर्देशन में यह प्रस्तुति महाभारत के युद्ध प्रसंगों में निहित वीरता, रणनीति और अन्याय को सशक्त रूप में सामने लाती है।

अंधा युग : युद्धोत्तर पीड़ा और नैतिक संकट का सशक्त मंचन

धर्मवीर भारती द्वारा रचित 'अंधायुग' 9 नाट्य प्रस्तुति को ट्रेजर आर्ट एसोसिएशन, मणिपुर द्वारा प्रभावशाली रूप में मंचित किया गया। निर्देशक जॉय के निर्देशन में यह नाटक महाभारत युद्ध के बाद की नैतिक, मानसिक और मानवीय त्रासदी को उजागर करता है।

भोपाल सहित पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र में अब तक 6 लाख, 57 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापित

भोपाल (नप्र)। केन्द्र सरकार की रिवेम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) योजना के अंतर्गत मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाने का काम त्वरित गति से चल रहा है। जहां स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, वहां पर समय पर बिलिंग तथा रीडिंग हो रही है तथा दिन के टैरिफ में 20 प्रतिशत की छूट भी मिल रही है। कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों में अब तक 6 लाख, 57 हजार 147 स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। इनमें सर्वाधिक भोपाल शहर वृत्त में 3 लाख, 30 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। कंपनी ने कहा है कि स्मार्ट मीटर लगने से उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं, सटीक बिलिंग और ऊर्जा दक्षता में सुधार हो रहा है। स्मार्ट मीटर लगाने का काम समय सीमा में पूर्ण करने के लिए कंपनी की टीमें लगातार कार्य में जुटी हुई हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने स्मार्ट मीटर के फायदे बताते हुए कहा है कि स्मार्ट मीटर से रियल टाइम डेटा प्राप्त किया जा सकता है, जिससे उपभोक्ताओं को सटीक और समय पर बिलिंग सुनिश्चित की जा रही है। कंपनी ने बताया कि जहां-जहां भी स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं, वहां पर बिलिंग तथा रीडिंग निर्धारित समय पर हो रही है, इससे सभी उपभोक्ता संतुष्ट हैं। नए टैरिफ आर्डर के अनुसार स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को अब खपत के आधार पर दिन के टैरिफ में 20 प्रतिशत की छूट भी दी जा रही है। दिसंबर माह का बिल जो कि जनवरी माह में जारी हुआ है, उसमें दिन के टैरिफ में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक उपयोग की गई विद्युत के दौरान बनी यूनिट पर छूट अलग कॉलम में अंकित की गई है।

संपादकीय

ट्रंप का 'पीस प्लान' और भारत

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा में शांति के लिए जो पीस प्लान दिया है, उसका शुरू में भारत समेत कई देशों ने स्वागत किया था, लेकिन जब विस्तार से पूरा प्लान सामने आया है, उससे लगता है कि यह पीस प्लान कम ट्रंप की आर्थिक कूटनीति ज्यादा है। यह पीस प्लान लागू करने के लिए ट्रंप ने एक 'बोर्ड ऑफ पीस' के गठन का ऐलान करते हुए दुनिया के करीब 50 देशों को इसमें शामिल होने का ऑफर दिया है, जिनमें भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी शामिल हैं। भारत को इस बोर्ड में बहुत सोच समझकर शामिल होना चाहिए, क्योंकि इस प्लान के पीछे इरादे बहुत नेक नहीं लगते। अमेरिका के भारत में राजदूत सर्जियो गोर के मुताबिक ये मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है कि मैं राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ग़ज़ा के बोर्ड ऑफ़ पीस में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित कर रहा हूँ। बोर्ड गाजा में स्थायी शांति के लिए, स्थायित्व और खुशहाली के लिए वहाँ एक असरदार प्रशासन को सहयोग करेगा। दिलचस्प बात यह है कि इस बोर्ड में शामिल होने के लिए पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों को न्यौता गया है। पीस ऑफ बोर्ड एक तकनीकी विशेषज्ञों की कमेटी के काम की निगरानी करेगा, जिसे ग़ाज़ा के अस्थायी शासन और उसके पुनर्निर्माण की ज़िम्मेदारी दी गई है। लेकिन इस बोर्ड ऑफ पीस में अगर कोई देश शामिल होना चाहता है तो उसे मोटी रकम देनी होगी। यानी बोर्ड के गठन के शुरुआती तीन सालों के बाद भी अगर कोई देश इसमें बने रहना चाहता है, तो उसे एक अरब डॉलर यानी क़रीब नौ हज़ार करोड़ रुपए ख़र्च करने पड़ेंगे। खास बात यह है कि शुरू में तो ट्रंप के इस पीस ऑफ बोर्ड से खुद इजराइल ही खुश नहीं था, लेकिन अब कहा जा रहा है कि वह इस प्लान का हिस्सा बनने के लिए तैयार हो गया है। इजराइल की आपत्ति मुख्य रूप से इस प्लान में तुर्की और कतर को शामिल करने को लेकर रही है। लेकिन लगता है कि नेतन्याहू पर ट्रंप का दबाव काम कर गया है। वैसे ट्रंप के इस पीस प्लान को संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद के विकल्प के रूप में भी देखा जा रहा है, जिसको लेकर ज्यादातर देश सशंकित हैं। क्योंकि इससे संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता भी खत्म हो सकती है। एक और अहम बात यह है कि ट्रंप इस बोर्ड के आजीवन अध्यक्ष रहेंगे और उन्हीं के पास वीटो पावर भी होगा। यह भी माना जा रहा है कि यह बोर्ड ऑफ पीस न केवल गाजा बल्कि दुनिया में चल रहे विभिन्न संघर्षों को खत्म कर शांति स्थापित करने की पहल है, लेकिन इसके पीछे कितना सात्विक सोच है और कितनी चालबाजी है, यह आने वाले समय में स्पष्ट होगा। इस बीच अमेरिका का कहना है कि पीस प्लान के इस संस्थापक कार्यकारी बोर्ड का हर सदस्य एक ऐसे विभाग का ज़िम्मा संभालेगा, जो 'ग़ाज़ा को स्थिर करने के लिए बेहद अहम' होगा। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कौन किस प्राथमिकता की ज़िम्मेदारी संभालेगा? फिलहाल इस बोर्ड में ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री सर टोनी ब्लेयर, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, अमेरिका के मध्य पूर्व के लिए विशेष दूत स्टीव विटकॉफ़, ट्रंप के दामाद जेरेड कुश्नर, अमेरिकी अरबपति मार्क रोवन तथा विश्व बैंक के अध्यक्ष विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा तथा अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट गैब्रियल को शामिल किया गया है। जहां तक भारत की बात है तो संभव है कि वह बोर्ड की तीन साल की अस्थायी सदस्यता स्वीकार कर ले। लेकिन 1 अरब डॉलर देकर स्थायी सदस्यता वह शायद ही ले।

लगातार बढ़ी होती बेघरों की दुनिया

नजरिया

अमित बैजनाथ गर्ग

लेखक पत्रकार हैं।

दुनिया में बेघर लोगों पर रिपोर्ट जारी करने वाली ओईसीडी का कहना है कि सबसे ज्यादा बेघर लोगों वाले देशों की लिस्ट में पाकिस्तान पहले नंबर पर है। वहां करीब 80 लाख से ज्यादा लोग बिना घर के सड़कों पर रहने को मजबूर हैं। लिस्ट में सीरिया 53 लाख बेघर लोगों के साथ दूसरे नंबर पर है, जबकि बांग्लादेश 50 लाख बेघर लोगों के साथ तीसरे नंबर पर है। चीन 25.79 लाख बेघर लोगों के साथ 9वें स्थान पर है। वहीं 25 लाख बेघर लोगों के साथ नेपाल 10वें स्थान पर है। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे विकसित देशों का भी इस लिस्ट में होना यह दिखाता है कि आवास की समस्या एक वैश्विक चुनौती है। वहीं भारत की आबादी 140 करोड़ से ज्यादा होने के बावजूद बेघर लोगों की संख्या 17.70 लाख तक ही सीमित है।

रिपोर्ट कहती है कि पाकिस्तान में 80 लाख लोगों के बेघर होने की मुख्य वजह देश की आर्थिक अस्थिरता है। पिछले कुछ सालों से पाकिस्तान गंभीर महंगाई और आर्थिक मंदी से जूझ रहा है। गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके साथ ही भयानक बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं ने हजारों घर तबाह कर दिए हैं। राजनीतिक अस्थिरता और आवास योजनाओं की कमी के कारण वहां के आम लोगों को छत मुहैया कराना नामुमकिन सा होता जा रहा है। पाकिस्तान में राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी भी वहां के लोगों के विकास में बाधा बन रही है। वहां भुखमरी और महंगाई भी चरम पर है, जिसके चलते आम लोगों का जीवन कठिन होता जा रहा है। पाकिस्तान में हालात दुनिया के मुकाबले बहुत विकट हैं, क्योंकि वहां हर तरह की अस्थिरता लोगों की तकलीफों में लगातार इजाफा कर रही है।

अगर भारत की बात करें तो रिपोर्ट कहती है कि 17.70 लाख बेघर लोगों के साथ भारत दुनिया में 13वें स्थान पर है। देश में बेघर लोगों की संख्या कम होने की वजह पीएम आवास योजना का अहम योगदान है। प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत करोड़ों परिवारों को अपना घर बनाने में मदद की जा रही है। इससे बेघर लोगों की संख्या में काफी कमी आई है। इसके अलावा भारत की स्थिर आर्थिक ग्रोथ ने लोगों की खरीदने की क्षमता बढ़ाई है, जिससे उन्हें छोटे-मोटे घर खरीदने में आसानी हुई है। वहीं शहरीकरण और रोजगार बढ़ रहे हैं। बढ़ते शहरीकरण के बावजूद ग्रामीण इलाकों में रोजगार गारंटी जैसी योजनाएं लोगों के पलायन को रोक रही हैं और उन्हें अपने ही गांव में घर बनाए रखने में मदद कर रही हैं। साथ ही मजबूत संयुक्त और पारंपरिक परिवार व्यवस्था भी आर्थिक मुश्किलों के समय लोगों को सहारा दे रही है।

वहीं केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने राज्यसभा में बताया था कि देश में 17.73 लाख लोग बेघर हैं, जिनमें से 9.38 लाख शहरी क्षेत्रों में और 8.34 लाख ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। राज्यों की बात की जाए तो उत्तर प्रदेश में शहरी क्षेत्र में 1.80 लाख लोग बेघर हैं। इसके बाद महाराष्ट्र में 1.11 लाख, पश्चिम बंगाल में 1.04 लाख और गुजरात में 84,822 लोग शहरी क्षेत्रों में बेघर हैं। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश में 1.48 लाख लोग, राजस्थान में 1.08 लाख लोग, महाराष्ट्र में 99,535 लोग और आंध्र प्रदेश में 69,354 लोग बेघर हैं। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों की बात की जाए तो उत्तर प्रदेश में बेघर लोगों की संख्या 3.29 लाख है। इसके बाद महाराष्ट्र में 2.10 लाख, राजस्थान में 1.81 लाख, पश्चिम बंगाल में 1.34 लाख, मध्य प्रदेश में 1.46 लाख, आंध्र प्रदेश में 1.45 लाख और गुजरात में 1.44 लाख लोग बेघर हैं।

अगर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की बात करें तो 2001 की जनगणना के अनुसार दिल्ली में 24,966 लोग बेघर थे। वहीं 2011 की जनगणना के अनुसार दिल्ली में 46,724 लोग बेघर थे। बेघर लोगों के लिए काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों का दावा है कि दिल्ली में करीब 1.50 लाख से ज्यादा लोग बेघर हैं। इन संगठनों का कहना है कि दिल्ली की तमाम सड़कों, मोहल्लों, फ्लाईओवरों, गुरुद्वारों, बाजारों, रेलवे की खाली पड़ी जमीनों और पार्क-मैदानों में लाखों बेघर लोग रह रहे हैं। इनका दावा है कि दिल्ली का आंकड़ा और भी ज्यादा है, क्योंकि दिल्ली की बेघर आबादी के कई हिस्सों को नहीं गिना जा सका है। मसलन, दिल्ली के प्रमुख व्यापारिक केंद्रों जैसे पुरानी दिल्ली में देर रात तक काम करने वाले बेघर व्यक्तियों की एक बड़ी संख्या की गिनती नहीं की जा सकती है।

भारत सहित दुनिया भर में बेघर लोग सड़कों पर, फ्लाईओवर के नीचे या फिर झुग्गियों में अपने दिन बिता रहे हैं। असल में बेघर लोग समाज के सबसे कमजोर वर्ग में से हैं, जिन्हें लगातार कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। यह एक गंभीर सामाजिक और मानवीय समस्या बनती जा रही है। बेघर लोगों की स्थिति अत्यंत दयनीय और असुरक्षित होती है, जहां उन्हें भोजन, आश्रय, स्वास्थ्य सेवा और सुरक्षा जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष करना पड़ता है, जिससे वे हिंसा, बीमारी (शारीरिक और मानसिक), कुपोषण और अत्यधिक मौसम के संपर्क में रहते हैं और अक्सर सामाजिक कलंक, शोषण और मानवाधिकारों के उल्लंघन का सामना करते हैं। किफायती आवास की कमी, गरीबी और नौकरी छूटना मुख्य कारण हैं। कोविड जैसी घटनाओं ने इस समस्या को और बढ़ा दिया है।

बेघर लोगों को हृदय रोग, श्वसन संक्रमण और संक्रामक रोगों का खतरा अधिक होता है। साथ ही मानसिक स्वास्थ्य और आघात की समस्याएं आम हैं। उनकी स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच मुश्किल होती है। सड़क पर रहने वाले लोग हिंसा, यौन शोषण और चोरी के शिकार होने की अधिक संभावना रखते हैं। महिलाएं और बच्चे विशेष रूप से असुरक्षित होते हैं। उन्हें निश्चित और सुरक्षित जगह नहीं मिलती, जिससे वे अत्यधिक ठंड या गर्मी जैसी मौसम की मार झेलते हैं और पानी-स्वच्छता का अभाव होता है। वे अक्सर गरीब, हाशिए पर होते हैं और उन्हें पहचान पत्र या अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता, जिससे वे गरीबी के दुष्चक्र में फंस जाते हैं। बेघर होना पर्याप्त आवास के मानवाधिकार का उल्लंघन है और राज्य की सहायता न कर पाने की विफलता को अमानवीय व्यवहार माना जा सकता है।

बेघर लोगों की मदद करने के लिए सबसे पहले तो सरकारों को आगे आना होगा। उन्हें बेघरों को घर बनाकर देने होंगे। किफायती आवास का निर्माण और संरक्षण बेघर होने की समस्या को रोकने के सबसे प्रभावी तरीकों में से एक है। अधिक आवास इकाइयों का निर्माण आवश्यक है और वर्तमान आवास कम आय वाले परिवारों के लिए सुलभ बने रहने चाहिए। इसके साथ ही आम लोग भी बेघरों की मदद कर सकते हैं। बेघर लोगों को भोजन, कपड़े और स्वच्छता किट देना, आश्रयों में दान या स्वयं सेवा करना और बेघरपन से जुड़े प्रणालीगत मुद्दों के समाधान के लिए वकालत करना शामिल है। साथ ही उन्हें नकदी या उपहार कार्ड देना, ताकि वे अपनी जरूरतें खुद चुन सकें। इसके अलावा स्थानीय सरकारी योजनाओं में उनकी सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित करनी होगी। बेघर लोगों से सम्मानपूर्वक व्यवहार करें और दूसरों को शिक्षित करें कि समस्या को कैसे हल किया जा सकता है। वहीं स्थानीय बेघर आश्रयों या सहायता समूहों को पैसे, कपड़े या अन्य आवश्यक सामान दान करें। आश्रयों में रसोई में मदद करें, रखरखाव करें या प्रशासनिक कार्यों में हाथ बटाएं। अपने स्थानीय प्रतिनिधियों से संपर्क करें और बेघरपन को खत्म करने के लिए प्रणालीगत बदलावों का समर्थन करें। संभव हो तो अपने पुनर्चक्रण योग्य सामान उन लोगों को दें, जो आय के लिए उन पर निर्भर करते हैं। उनके साथ अच्छा व्यवहार करें। उनकी जरूरतों को समझने की कोशिश करें, क्योंकि हर व्यक्ति की जरूरतें अलग हो सकती हैं। वहीं स्थानीय सरकारी रैन बसेरों और योजनाओं के बारे में जानकारी रखें और जरूरतमंदों को बताएं। इस तरह हम छोटी व सामान्य मदद करके बेघर लोगों को सम्मानपूर्वक जीवन जीने में मदद कर सकते हैं। हमारा छोटा सा सहयोग उनकी बड़ी जरूरतों को पूरा कर सकता है और हमें यह सहयोग करना ही चाहिए।

ग्रीन लैंड का सपना ट्रम्प का बाल हठ या राज हठ

विश्व राजनीति

ऋतुपर्ण दवे

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

कभी लगता है कि ट्रम्प तानाशाह हैं, कभी लगता है कि तुनकमिजाज। शायद अमेरीका वासियों को भी अब ट्रम्प को समझ पाना मुश्किल हो रहा होगा। उन्हें चुनते वक्त भी ऐसा अंदाजा हरगिज नहीं रहा होगा। लेकिन, इतना तो समझ आ रहा है कि अपनी दूसरी पारी में ट्रम्प दुनिया में सबसे अलग करने की नीयत से हर वो काम करने पर आमादा हैं जिससे उनकी चर्चा और धमक बनी रहे। हो सकता है कि वो ऐसा कुछ करें भी जिससे वो हीरो या विलेन कुछ तो बन जाएं। लेकिन लगता नहीं कि वो कभी अमेरीका के आदर्श राष्ट्र प्रमुखों में गिने जाएंगे!

उनका दर्द जब-तब उनके बयानों से झलकता भी है। शांति के नोबल पुरुस्कार की होड़ में मात खाने के बाद ट्रम्प एकाएक अशांतिपूर्ण हरकतों पर उतारू हो गए। उनकी टीस इसी बात से समझ आती है कि इस पुरुस्कार के लिए खुद अपनी पैरवी करने वाले ट्रम्प ने नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर को चिट्ठी लिख नोबेल नहीं मिलने की शिकायत तक कर दी। साथ ही यह भी लिखा कि कि 8 जंग रुकवाने के बावजूद उन्हें नोबेल नहीं मिला इसलिए उन्होंने अब शांति के बारे में सोचना छोड़ दिया है। शांति जरूरी है, लेकिन अब वह यह भी सोचेंगे कि अमेरिका के हित में क्या सही है। ग्रीनलैंड पर जबरन कब्जा की उनकी नीयत और कोशिशों की एक वजह नोबेल शांति पुरस्कार न मिलने की खीझ भी स्पष्ट समझ आती है।

रूस और चीन के खतरे की दुहाई देकर ट्रम्प नाटो सदस्य डेनमार्क के ग्रीनलैंड को हथियाने का जो दंभ भर रहे हैं, उसे अंतरराष्ट्रीय कानूनों और नाटो की एकता के साथ ही वैश्विक शांति के लिए गंभीर खतरा माना जा रहा है। ट्रम्प की जिद कहें या दादागिरी यह उनका दुनिया का तानाशाह बनने जैसा ही कदम कहलाएगा। देर-सबेर इसका खामियाजा अमेरीका ही भुगतेगा क्योंकि वैश्विक मंच पर दुनिया का दारागो कहलाने वाले मजबूत देश की विश्वसनीयता बनेगी।

ग्रीनलैंड की जिद पर दुनिया भर में शांति के पक्षधर लोगों की समझाइश का भी ट्रम्प पर कोई असर न पड़ना मामले को गंभीर बनाता है। ग्रीनलैंड में 1979 से स्व-शासन है। उसकी विदेश और रक्षा नीति नाटो संगठन का सदस्य देश डेनमार्क देखता है। ग्रीनलैंड डेनमार्क का अर्ध-स्वायत्त भाग है। ग्रीनलैंड और डेनमार्क सरकारों ने भी हमेशा कहा है कि ग्रीनलैंड न कभी पहले बिकाऊ था न आज है। नाटो देश भी कभी नहीं चाहेंगे कि कोई दादागिरी कर कब्जा कर ले। खुद यूरोपीय देश फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी, स्वीडन, डेनमार्क और इटली ने भी ट्रम्प के बयान की आलोचना की है। इतना ही नहीं बल्कि सामूहिक तौर पर जवाब देने की बात भी कह ट्रम्प को चेताया तक है। इससे ट्रांसअटलांटिक संबंध भी कमजोर होंगे। ट्रम्प की नीयत तो अपने पहले ही कार्यकाल में ग्रीनलैंड को खरीदने की थी जो तब भी पूरी नहीं हो पाई।

आठ यूरोपीय देशों डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड और फिनलैंड पर टैरिफ की धमकी को ये देश ट्रम्प का ब्लैकमेल, समझ से परे और अनुचित बता रहे हैं। ट्रम्प की हरकतों से यूरोप और अमेरिका के सुरक्षा सहयोग संगठन नाटो के भविष्य पर भी प्रश्न चिन्ह दिख रहा है। खुद 80 प्रतिशत अमरीकी भी नहीं चाहते कि ग्रीनलैंड अमेरिका का हिस्सा बने क्योंकि इससे नाटो में दो फाड़ होगी जिसका फायदा चीन और रूस जैसे अमेरिका विरोधियों को मिलेगा।

ऐसा भी नहीं है कि यूरोपीय संघ यानी ईयू ट्रम्प के लगाए गए टैरिफ का जवाब देने में पीछे है। ईयू 27 यूरोपीय देशों का राजनीतिक और आर्थिक संगठन है। इसमें ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बुल्गारिया, क्रोएशिया, साइप्रस, चेक गणराज्य, डेनमार्क, एस्टोनिया, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, हंगरी, आयरलैंड, इटली, लातविया, लिथुआनिया, लक्जमबर्ग, माल्टा, नीदरलैंड, पोलैंड, पुर्तगाल, रोमानिया, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया, स्पेन और स्वीडन शामिल हैं। इन सभी देशों का रुख अमेरिका पर ट्रेड पाबंदियां लगाने का है जिस पर वो गंभीरता से विचार कर रहे हैं। जबकि इनका लक्ष्य सदस्य देशों के बीच शांति, समृद्धि और स्थिरता को बढ़ावा देना है। ऐसी स्थिति में नाटो देश भी अमेरिका की मुखालफत करेंगे। हालांकि ईयू एक खास कानूनी हथियार के इस्तेमाल की सोच रहा है, जिसे 'ट्रेड बाजूका' कहते हैं। इसका मकसद उन देशों के खिलाफ कड़ा कदम उठाना है, जो यूरोपीय देशों पर जबरदस्ती आर्थिक दबाव बनाने की कोशिश करते हैं। ईयू सांसद अमेरिका के साथ हुए ट्रेड एग्रीमेंट की मंजूरी रोकने की तैयारी में भी हैं। जाहिर है इससे दो पक्षीय नहीं बल्कि बहुपक्षीय तनाव बढ़ना ही है जिसमें अमेरिका के विरोध में कई होंगे। इन सबके लिए जिम्मेदार ट्रम्प ही होंगे।

ट्रम्प की मौजूदा सनक की वजह ग्रीनलैंड है जो सैन्य रणनीतिक लिहाज से बेहद खास है। यह उत्तर अमेरिका और यूरोप के मध्य अटलांटिक महासागर के बीचों-बीच होने से मिड-अटलांटिक क्षेत्र में है। यहां से यूरोप और रूस के बीच सैन्य और मिसाइल निगरानी आसान है। हालांकि यहां अमेरिका का थुले एयर बेस पहले से है, जो मिसाइल चेतावनी और रूसी-चीनी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए जरूरी है। आर्कटिक क्षेत्र में रूस और चीन की गतिविधियां बढ़ने से चिंतित अमेरिका ग्रीनलैंड पर वर्चस्व पाकर भू-राजनीतिक पकड़ मजबूत करना चाहता है। दूसरी ओर ग्रीनलैंड में दुर्लभ खनिज, तेल, गैस और रेयर अर्थ एलिमेंट्स के बड़े भंडार हैं। ये भविष्य की विशाल आर्थिक और तकनीकी सम्पदा है। अभी चीन का इन उत्पादों पर 70 से 90 प्रतिशत नियंत्रण है। यह निर्भरता अमेरीका कम करना चाहता है। वही भूमंडलीय ऊष्मीकरण यानी ग्लोबल वार्मिंग के चलते आर्कटिक की बर्फ पिघल रही है, जिससे नए जलपोत मार्ग खुल रहे हैं। जब ग्रीनलैंड अमेरीका का होगा तो निश्चित तौर पर वह रूस-चीन की बढ़त रोकने में मददगार होगा। इसीलिए ट्रम्प ग्रीनलैंड को अमरीकी सुरक्षा का फ्रन्ट लाइन मानते हैं।

अब ट्रम्प की नीयत चाहे जो वो उनका अंर्तमन ही जाने लेकिन क्या नोबल का शांति पुरुस्कार मिलता तो भी ट्रम्प ऐसा करते? अब यह ट्रम्प का बाल हठ है या राज हठ, वही जानें फिलाहाल ट्रम्प दुनिया में खुद को तमाशा जरूर बना रहे हैं। देखना उनका खेल कब तक चलेगा?

दुनिया के मेले में फंसा शंकराचार्य का रथ

विचार

ध्रुव शुक्ल

लेखक साहित्यकार हैं।

यह ख़बर सुनकर आश्चर्य हुआ कि दुनिया के मेले में शंकराचार्य का रथ फँस गया है। भारी भीड़ के बीच उसकी राह रुकी हुई है। यह कौन-सा रथ है जिसे गङ्गा के घाट तक जाने से रोक लिया गया है? शांकर मत से तो हम यही समझते आये हैं कि हमारा शरीर ही रथ है जिसमें इंद्रियों के घोड़े जुते हैं और आत्मा ही उसकी सारथि है। यह शरीर रूपी रथ स्वतः ही गङ्गा घाट तक जा सकता है। इसे किसी राज्य व्यवस्था के अनुमोदन की ज़रूरत नहीं है। आदि शंकराचार्य तो धर्म स्थापन के लिए अपने शरीर रूपी रथ पर अपने आत्मबल का छत्र तानकर पैदल ही चले।

आठवीं ईस्वी सदी के अंत और नौवीं सदी के प्रारम्भ (788-822) के बीच आदि शंकराचार्य हुए। वे भारत में वेदान्त दर्शन के अद्वैत मत के सर्वमान्य प्रवर्तक और प्रचारक के रूप में प्रतिष्ठित हैं। ब्रह्मसूत्र पर प्रामाणिक भाष्य भी शंकराचार्य ने ही लिखा। उपनिषदों (ईशावास्य, केन, माण्डूक्य, ऐतरेय, मुण्डक, तैत्तिरीय, छान्दोग्य, श्वेताश्वतर, बृहदारण्यक, प्रश्नोपनिषद और कठोपनिषद के भाष्य भी आदि शंकर ने ही किये हैं। श्रीमद्भग्वद्गीता पर उनका भाष्य मार्गदर्शी है। शंकराचार्य विरचित विवेक चूड़ामणि भी प्रसिद्ध है।

आदि शंकराचार्य के समय बौद्ध, जैन और कापालिकों के मतों के प्रभाव में वैदिक धर्म की आभा धुंधली पड़ रही थी तब उन्होंने ब्रह्मसूत्र के भाष्य में यह प्रतिपादित किया कि विश्व प्रपंच दृष्टा और दृश्य में बँटा हुआ है। दृष्टा वह है जो दुनिया के मेले में सभी प्रतीतियों का अनुभव करता है और दृश्य वह है जो अनुभव का विषय है। दृष्टा ही साक्षी के रूप में आत्मा कहलाता है और जितने भी दृश्य उसके विषय बनते हैं वे सब अनात्मा है। आत्म निर्विकार है और जीवन के मेले में भटकता विकारग्रस्त नश्वर अनात्म उस साक्षी आत्मा का स्पर्श नहीं कर पाता क्योंकि आत्म तत्व असङ्ग है। इस आत्म की प्रतीति ही ज्ञान है और भेद से भरे नश्वर अनात्म में चित्त को विकल करना ही अज्ञान है। सर्वात्म में अखण्डता का अनुभव करना ही अद्वैत है।

आदि शंकराचार्य ने भारत की यात्रा करके अद्वैत मत प्रवर्तन के लिए चारों दिशाओं में चार पीठ स्थापित किये... दक्षिण में श्रृंगेरी मठ, पश्चिम में शारदा मठ, पूरब में गोवर्धन मठ, पुरी और उत्तर में जोशी मठ। इन मठों में आसीन होने वाले प्रबुद्ध संयमी आचार्य ही शंकराचार्य कहलाते आये हैं। आदि शंकराचार्य के चार प्रधान शिष्यों से लेकर अब तक पुरी, भारती, गिरि, सरस्वती आदि दसनामी शिष्यों की परंपरा चली आ रही है जो पीठाधीश्वर के आसन पर विराजते हैं।

विवेक चूड़ामणि में आदि शंकराचार्य भव-बन्धन को समझाते हुए कहते हैं कि हमारे शरीर अन्न से उत्पन्न होते हैं। यह अन्न प्राणों को तृप्त करके कई प्रकार के कर्मों में लगाता है। फिर मन कर्त्तापन के अहंकार और कई विकल्पों के द्वंद्वों से भरता है जिससे अभिमानी बुद्धि पैदा होती है और वह बुद्धि निसंग साक्षी आत्मा को जीव भाव से घेरती है फिर उपाधि से ग्रस्त आत्म भोक्ता की तरह आभासित होता है जबकि वह न तो उपदेष्टा है और न अनुमंता है। वह केवल निर्लिप्त साक्षी है।

आदि शंकराचार्य कहते हैं कि जिससे समस्त ज्ञान अर्थवान होता है वह सर्वसाक्षी आत्म स्वयं प्रकाशित है और वह सर्वानुभव स्वरूप है। अपने आत्मा में सभी कल्पित विषयों और वस्तुओं का आरोपण ही दृष्टा, दृश्य और दर्शन के बीच द्वैत उत्पन्न करता है। अपनी मुक्ति के लिए गङ्गा स्नान भी आरोपण है। आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित चारों पीठों के आचार्यों के सामने यह सबसे बड़ी चुनौती रही है कि वे सामान्य जनों को अनात्म की पहचान करवाकर ज्ञानी भक्त में रूपांतरित कर सकें। बारह सौ वर्ष बीत गये, अभी तक हमारे धर्मपीठ आर्त्त पुकारों और अर्थार्थी जनों की भाग-दौड़ को कम नहीं कर पाये हैं। राजनीतिक स्वतंत्रता की अवधारणा ने व्यक्ति के स्वधर्म की राह छेंक ली है।

पता नहीं कि दुनिया के मेले में शंकराचार्य की पालकी उठाने का चलन कब से चला। धर्म प्रवर्तन तो जन मानस के बीच पैदल चलकर ही होते आये हैं। आदि शंकराचार्य ही नहीं, महात्मा बुद्ध भी अपने धर्मचक्र प्रवर्तन के लिए पैदल चले। आदि शंकराचार्य को प्रच्छन्न बौद्ध भी कहा गया। पर अब तीर्थों के पर्यटन प्रवासों में भटकती भीड़ को स्वधर्म की पहचान करवाने वाला कोई नहीं दीखता। राजनीतिक रंग में रंगे ध्वजों के आगे सत्य और शील की ध्वजा-पताकाओं के रंग फीके पड़ने लगे हैं। अराजक भीड़ के बीच शंकराचार्य अकेले पड़ गये हैं। उन्हें धक्का देकर पीछे धकेला जा रहा है। दुख है कि वे सबके साथ पैदल नहीं चल पा रहे।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

पापी पेट का सवाल और उस्ताद-जमूरा संवाद

व्यंग्य

सुरेश उपाध्याय

लेखक व्यंग्यकार हैं।

शाम के वक्त घंटाघर चौराहे पर ढोलक की थाप से लोग जूटने लगे थे. गोल घेरे के बीच डमरु बजाते हुए मदारी ने आवाज लगाई 'जमूरे, किधर है?'. 'हाजिर हूँ, उस्ताद' भीड के बीच से प्रकट होते हुए जमूरे ने कहा. कुछ दुनिया-जहाँ की, कुछ इधर उधर की बाते करते हुए मदारी ने जमूरे को बीच में दरी पर लेटा दिया व चादर ओढा दी. अगडम बगडम मंत्र उच्चारते हुए मदारी ने सवाल किया 'जो पूंछूंगा बताएगा', 'जी उस्ताद', जमूरे ने जवाब दिया. इस संवाद के सम्पादित अंश आपके लिए प्रस्तुत हैं -

मदारी - पहली पंक्ति में खडे नौजवान की तरफ इशारा करते हुए ' इस नौजवान का नाम क्या है और इसकी जेब में क्या है?'

जमूरा - विकास नाम के इस युवा की एक जेब फटी है तथा दूसरी कट गई है (विकास ने दोनो जेब दिखाई और फटी व कटी जेब देख लोगो ने जोर से तालिया बजाई)

- इस युवा का भविष्य क्या है?

- वही जो एक बेरोजगार का होता है.

- धर्म, समाज, साहित्य, खेल आदि आयोजन / संगठन में राजनीतिज्ञ को ही प्रमुख अतिथि / पदाधिकारी क्यो बनाया जाता है?

- राजनीति ही सब क्षेत्र का निर्धारण करती है, अतः राजनीतिज्ञ ही सबसे उपयुक्त अतिथि / पदाधिकारी लगते है.

- आए दिन लोग भडकाऊ व बेबुनियाद बयान क्यो देते हैं?

- सुर्खियो में बने रहने के लिए और लोकप्रियता सिद्ध करने के लिए.

- जब गलतबयानी गले पड़ जाए तो?

- बयानकर्ता का क्या बिगडना है, बयान से बदल जाएंगे, गलत व्याख्या या ए आई का क्रिएशन बता देंगे. वैसे भी माफी और इस्तीफा तो उनके नेता से ही मांगने की परम्परा है. ज्यादा ही हुआ तो खेद व्यक्त कर देंगे.

- रोजमर्रा में नए नवेले नेताओं की क्या तैय्यारी होना चाहिए?

- माफी मांगो - माफी मांगो का बयान व जलाने के लिए एक पुतला हरदम तैयार रखना चाहिए.

- दुनिया में हथियारों की होड़ कैसे रोकी जा सकती है?

- हथियारों के व्यवसाय से ही कई राष्ट्रों की अर्थव्यवस्था संचालित होती है, अतः इसको रोकने के प्रयास वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए लाभदायक नही हैं.

- दुनिया में युद्ध क्यों होते हैं तथा उस पर रोक कैसे सम्भव है?

- प्राकृतिक संसाधनों (खासकर क्रूड आईल अर्थात पेट्रोल) व लोकतंत्र जैसी छोटी छोटी आकांक्षा व विश्व का चौधरी बनने की महत्वाकांक्षाओ की पूर्ति के लिए युद्ध होते हैं. हथियार बेचने के लिए भी युद्ध करवाए जाते हैं तथा विश्व चौधरी के फोन व प्रतिबंधो की धमक से रोके जा सकते हैं.

- दुनिया में आणविक, जैविक, रासायनिक आदि घातक हथियारों में सर्वाधिक मारक कौन सा हैं?

- व्यापार का युग है उस्ताद और सबसे मारक हथियार प्रतिबंध और टेरिफ है.

- सन्युक्त राष्ट्र आदि वैश्विक संस्थाओ की विश्व शांति आदि मुद्दो पर क्या भूमिका है?

- जब एक टेलिफोन, कुछ प्रतिबंध और टेरिफ बढाकर ही समस्याओ का निदान हो सकता है तो वैश्विक संस्थाओ की क्या जरुरत है?

- नोबल आदि पुरस्कार कैसे प्राप्त किए जा सकते हैं?

- किसी भी पुरस्कार के लिए अहर्ता व पात्रता निर्धारित होती है, स्वयम भी दावेदारी कर सकते हैं और अपने खास समर्थकों से मांग / अनुशंसा भी करवा सकते हैं.

- क्या किसी को घोषित व प्रदत्त पुरस्कार भी प्राप्त किया जा सकता है?

- पुरस्कार अहस्तांतरणीय होते हैं लेकिन तमगे छीने व चुराए जा सकते हैं और प्राप्तकर्ता किन्ही कारणो से दूसरे को तमगा दे देवे तो कोई क्या कर सकता है?

- किसी देश के भूखंड, देश या आइलेंड को किसी भी देश का हिस्सा कैसे बनाया जा सकता है?

- सम्बंधित देश की इच्छा से, क्रय करके या युद्ध में जीतकर एक परम्परागत तरीका रहा है - ' समरथ को नही दोष गुसाई'. वैसे विश्व चौधरी की मंशा और धमकी न्यू नार्मल है.

- रेअर अर्थ मिनरल्स (दुर्लभ धातु), तख्ता पलट, शासनाध्यक्ष की गिरफ्तारी / अपहरण जैसे थोडे सवाल और है जमूरे

- बस उस्ताद, सुबह से कुछ नही खाया है, भूख बहुत लगी है, पापी पेट का सवाल है और हम यह सब उसी के खातिर कर रहे हैं

- ठीक है जमूरे, जनता जनार्दन के सामने फैला दे अपनी झोली, बाबू लोग तुझे निराश नही करेंगे.

मदारी, डमरु बजाते हुए जनता से आव्हान करता है - ' साहेबान, मेहरबान, कद्रदान दिल खोल कर रुपये दीजिए और जमूरे की हौसला अफजाई कीजिए, जो दे उसका भी भला और जो न दे उसका भी भला' भीड धीरे-धीरे छंटने लगती है।

खेतों में मौन होता श्रम

निलेश देसाई

लेखक कृषि मामलों के जानकार हैं।

झाबुआ की 'अड़जी-पड़जी' परंपरा से सुलझती कृषि की गुत्थी

आज का भारतीय किसान दोहरी मार झेल रहा है। एक तरफ खेती में 'प्रच्छन्न बेरोजगारी' का शोर है, तो दूसरी तरफ हकीकत यह है कि बुवाई और कटाई के पीक सीजन में किसान को एक मजदूर तक नसीब नहीं होता। जो मजदूर उपलब्ध हैं, उनकी नकद मजदूरी की मांग और किसान की भुगतान करने की घटती क्षमता के बीच एक गहरी खाई पैदा हो गई है। इस संकट को हल करने के लिए हमने मशीनीकरण और खरपतवारनाशक रसायनों का सहारा लिया। लेकिन इस समाधान ने नई समस्याएं पैदा कर दीं। भारी मशीनों ने मिट्टी के स्वास्थ्य को बिगाड़ा और रसायनों ने जैव-विविधता को नष्ट किया। सबसे बड़ी मार महिलाओं पर पड़ी, जिनके हाथ से निराई-गुड़ाई जैसे पारंपरिक काम छिन गए। मशीनीकरण ने श्रम की समस्या को हल करने के बजाय उसे 'विस्थापित' कर दिया और किसान को कर्ज के नए जाल में धकेल दिया।

विरोधाभासों के बीच फंसी खेती भारतीय कृषि आज एक अजीबोगरीब चौराहे पर खड़ी है। अर्थशास्त्री इसे 'अधिशेष श्रम' (सरप्लस लेबर) का क्षेत्र कहते हैं, जहाँ आवश्यकता से अधिक लोग नियोजित हैं। लेकिन धरातल की सच्चाई इसके ठीक उलट है। आज गाँव का किसान बुवाई और कटाई के महत्वपूर्ण समय में 'हाथ' तलाश रहा है, जबकि खेत में पसीना बहाने वाला मजदूर सम्मानजनक पारिश्रमिक और सुरक्षा के अभाव में शहरों की ओर पलायन कर रहा है। यह केवल एक आर्थिक संकट नहीं है, बल्कि उस सामाजिक ढांचे का ढहना है जिसने सदियों तक भारतीय गाँवों को आत्मनिर्भर बनाए रखा था। इस गहराते संकट के बीच, मध्य प्रदेश के झाबुआ की आदिवासी परंपरा 'अड़जी-पड़जी' एक ऐसी मशाल बनकर उभरती है, जो न केवल श्रम की समस्या का समाधान देती है, बल्कि आधुनिक खेती के लिए एक नया 'इकोनॉमिक मॉडल' भी प्रस्तुत करती है।

आज का भारतीय किसान दोहरी मार झेल रहा है। एक तरफ खेती में 'प्रच्छन्न बेरोजगारी' का शोर है, तो दूसरी तरफ हकीकत यह है कि बुवाई और कटाई के पीक सीजन में किसान को एक मजदूर तक नसीब नहीं होता। जो मजदूर उपलब्ध हैं, उनकी नकद मजदूरी की मांग और किसान की भुगतान करने की घटती क्षमता के बीच एक गहरी खाई पैदा हो गई है।

इस संकट को हल करने के लिए हमने मशीनीकरण और खरपतवारनाशक रसायनों का सहारा लिया। लेकिन इस समाधान ने नई समस्याएं पैदा कर दीं। भारी मशीनों ने मिट्टी के स्वास्थ्य को बिगाड़ा और रसायनों ने जैव-विविधता को नष्ट किया। सबसे बड़ी मार महिलाओं पर पड़ी, जिनके हाथ से निराई-गुड़ाई जैसे पारंपरिक काम छिन गए। मशीनीकरण ने श्रम की समस्या को हल करने के बजाय उसे 'विस्थापित' कर दिया और किसान को कर्ज के नए जाल में धकेल दिया।

अड़जी-पड़जी: सामूहिक श्रम की गौरवशाली परंपरा

जहाँ आधुनिक नीतियां विफल होती हैं, वहां आदिवासी समाज का 'स्थानीय ज्ञान' मार्ग दिखाता है। झाबुआ और अलीराजपुर के आदिवासी अंचलों में प्रचलित 'अड़जी-पड़जी' (Adji-Padji) कोई साधारण प्रथा नहीं, बल्कि श्रम के लोकतंत्रीकरण का उत्कृष्ट उदाहरण है।

'अड़जी-पड़जी' का दर्शन सरल और प्रभावी है: इसमें गाँव के किसान एक-दूसरे के खेतों में सामूहिक रूप से काम करते हैं। यदि आज एक किसान के खेत में बीज रोपना है, तो पूरा गाँव या टोला वहां मौजूद होगा। कल वही समूह दूसरे के खेत में जाएगा। यहाँ श्रम का मूल्य 'नोटों' में नहीं, बल्कि 'सहयोग' में मापा जाता है। इसमें न कोई मालिक है, न कोई नौकर; हर कोई एक-दूसरे का सहयोगी है।

समाधान के रूप में स्थानीय ज्ञान के लाभ

अड़जी-पड़जी जैसी परंपराएं आधुनिक कृषि की तीन बड़ी चुनौतियों का समाधान करती हैं:

आर्थिक स्वावलंबन: छोटे और सीमांत किसानों के पास नकद राशि का अभाव होता है। अड़जी-पड़जी नकद मजदूरी की आवश्यकता को समाप्त कर देती है, जिससे किसान को साहूकारों या बैंकों से कर्ज नहीं लेना पड़ता।

समयबद्धता और लचीलापन: कृषि में समय का बहुत महत्व है। बारिश होने के साथ ही बुवाई शुरू करनी होती है। अड़जी-पड़जी के माध्यम से जो काम एक परिवार दस दिन में करता, वह सामूहिक श्रम से एक ही दिन में संपन्न हो जाता है।

श्रम की गरिमा और सुरक्षा: जब किसान एक-दूसरे के खेतों में काम करते हैं, तो काम में 'सम्मान' जुड़ जाता है। यह उन मजदूरों के लिए भी एक सुरक्षित विकल्प है जो शहरों की असुरक्षित गलियों में धक्के खाने के बजाय अपने समुदाय के बीच रहकर गरिमापूर्ण जीवन जीना चाहते हैं।

कृषि श्रम कोष: परंपरा को नीति का समर्थन

झाबुआ के इस अनुभव को राष्ट्रव्यापी बनाने के लिए केवल सराहना काफी नहीं है, इसे नीतिगत समर्थन की आवश्यकता है। एक 'कृषि श्रम कोष' (एग्रीकल्चर लेबर फंड) की स्थापना समय की मांग है।

इस कोष का उद्देश्य उन समुदायों और समूहों को वित्तीय प्रोत्साहन देना होना चाहिए जो मशीनीकरण के बजाय पारंपरिक श्रम-साझा प्रणालियों को चुनते हैं। यह कोष छोटे और मध्यम किसानों को संगठित होने, 'टूल बैंक' (साझा कृषि उपकरण) बनाने और पीक सीजन के दौरान होने वाले जोखिमों को कवर करने में मदद कर सकता है। यदि सरकार मनरेगा (MGNREGS) जैसी योजनाओं को इन स्थानीय श्रम-साझा मॉडलों के साथ जोड़ दे, तो ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और उत्पादकता दोनों में क्रांतिकारी बदलाव आ सकता है।

पारिस्थितिकी और सामाजिक न्याय का संगम

अड़जी-पड़जी केवल श्रम बचाने का तरीका नहीं है, यह 'प्राकृतिक खेती' का आधार भी है। जब श्रम सामूहिक होता है, तो रसायनों की जगह हाथों से निराई-गुड़ाई संभव होती है। इससे मिट्टी की उर्वरता बचती है और पर्यावरण की रक्षा होती है। यह मॉडल सामाजिक न्याय की भी बात करता है, क्योंकि यह महिलाओं के श्रम को अदृश्य होने से बचाता है और उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल करता है।

जड़ों की ओर वापसी

भारतीय कृषि आज जिस चौराहे पर खड़ी है, वहां रास्ता केवल 'स्मार्ट सिटी' या 'बड़ी मशीनों' से होकर नहीं जाता। रास्ता उन 'साझा हाथों' से होकर जाता है जो झाबुआ के खेतों में एक-दूसरे को थामे हुए हैं। 'अड़जी-पड़जी' हमें याद दिलाती है कि खेती केवल एक व्यापार नहीं है, बल्कि एक सामुदायिक उत्सव और जीवन पद्धति है।

यदि हम वास्तव में किसान और मजदूर दोनों को बचाना चाहते हैं, तो हमें अपनी आधुनिक नीतियों में झाबुआ के इस 'अड़जी-पड़जी' मॉडल को जगह देनी होगी। स्थानीय ज्ञान और परंपराओं का सम्मान ही वह एकमात्र पुल है, जो वर्तमान के संकट और भविष्य की खुशहाली को जोड़ सकता है। यह समय मशीनों के शोर को कम करने और सहयोग की उन दबी हुई आवाजों को सुनने का है, जो हमारे गाँवों की मिट्टी में आज भी गूँज रही हैं।

सेहत

डॉ. सत्यकांत त्रिवेदी

वरिष्ठ मनोचिकित्सक, अवसाद, अनिद्रा रोग विशेषज्ञ

50 वर्षों से नींद नहीं आई, क्या यह संभव है?

नींद मनुष्य की बुनियादी शारीरिक आवश्यकता है, ठीक उसी तरह जैसे भोजन, पानी और सांस लेना। हमारा मस्तिष्क अपने आप यह व्यवस्था करता है कि शरीर को नींद मिले। चाहे व्यक्ति कितनी भी कोशिश करे, लंबे समय तक नींद को रोका नहीं जा सकता है। वैज्ञानिक अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि कोई व्यक्ति कुछ ही दिनों तक लगातार जाग सकता है। इसके बाद भ्रम होने लगता है, चीजें दिखाई देने लगती हैं, सोचने और निर्णय लेने की क्षमता घट जाती है और गंभीर मानसिक समस्याएं पैदा हो जाती हैं। इसलिए दशकों तक बिना सोए रहना संभव नहीं है।

हाल ही में मीडिया में यह खबर पढ़ने को मिली कि रीवा के एक बुजुर्ग व्यक्ति ने यह दावा किया है कि उन्हें पिछले कई दशकों से नींद नहीं आई है। यह समाचार पढ़ते ही स्वाभाविक रूप से जिज्ञासा होती है, लेकिन उससे भी अधिक एक चिकित्सकीय चिंता पैदा होती है। मैं नींद और मानसिक रोगों का इलाज करने वाला चिकित्सक हूं, इसलिए मुझे लगा कि इस विषय पर चुप रहना ठीक नहीं होगा। ऐसे दावे केवल चौंकाने वाली खबर नहीं होते, बल्कि समाज में नींद को लेकर फैली गलत धारणाओं को भी उजागर करते हैं। एक चिकित्सक के रूप में यह मेरी नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि इस विषय पर सही जानकारी आम लोगों तक पहुंचे।

अस्पतालों में अक्सर कुछ लोग यह कहते हुए मिल जाते हैं कि वे पिछले 20, 30 या 50 वर्षों से सोए ही नहीं हैं। ऐसे कथन को न तो मजाक में लेना चाहिए और न ही बिना जांच के सच मान लेना चाहिए। स्पष्ट शब्दों में कहा जाए तो कोई भी व्यक्ति 50 वर्षों तक बिल्कुल नहीं सोया हो, यह जैविक रूप से असंभव है।

नींद मनुष्य की बुनियादी शारीरिक आवश्यकता है, ठीक उसी तरह जैसे भोजन, पानी और सांस लेना। हमारा मस्तिष्क अपने आप यह व्यवस्था करता है कि शरीर को नींद मिले। चाहे व्यक्ति कितनी भी कोशिश करे, लंबे समय तक नींद को रोका नहीं जा सकता। वैज्ञानिक अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि कोई व्यक्ति कुछ ही दिनों तक लगातार जाग सकता है। इसके बाद भ्रम होने लगता है, चीजें दिखाई देने लगती हैं, सोचने और निर्णय लेने की क्षमता घट जाती है और गंभीर मानसिक समस्याएं पैदा हो जाती हैं। इसलिए दशकों तक बिना सोए रहना संभव नहीं है।

तो फिर लोग ऐसा क्यों कहते हैं कि उन्हें वर्षों से नींद नहीं आई? इसका कारण वास्तव में नींद का पूरी तरह न होना नहीं, बल्कि नींद को महसूस न कर पाना होता है। कई लोग सोते तो हैं, लेकिन उन्हें लगता है कि वे जागते रहे। उनकी नींद हल्की होती है, बार-बार टूटती है और गहरी नींद का अनुभव नहीं हो पाता। इसी कारण उन्हें यह विश्वास हो जाता है कि उन्हें नींद आती ही नहीं।

यह समस्या अक्सर अवसाद, चिंता, अत्यधिक बेचैनी, मानसिक उत्तेजना की अवस्थाओं, अन्य मानसिक रोगों या लंबे समय तक नशे के सेवन से जुड़ी होती है। कुछ मामलों में यह विश्वास इतना मजबूत हो जाता है कि व्यक्ति जांच और समझाने के बाद भी यह मानने को तैयार नहीं होता कि वह सोता है।

चिकित्सकीय दृष्टि से ऐसे मामलों में न तो मरीज की बात को सीधे खारिज किया जाना चाहिए और न ही बिना जांच उसे पूरी तरह सही मान लेना चाहिए। सही तरीका यह है कि नींद से जुड़ी पूरी जानकारी ली जाए, कुछ समय तक नींद का रिकॉर्ड रखा जाए और मानसिक स्थिति का समुचित मूल्यांकन किया जाए।

अंत में यही कहना उचित होगा कि '50 वर्षों से नींद नहीं आई' कोई शारीरिक सच्चाई नहीं, बल्कि एक मानसिक अनुभव है। मरीज को यह समझाना उपचार का सबसे पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम है कि उसका शरीर सो रहा है, लेकिन उसका मन उस नींद को पहचान नहीं पा रहा। जब यह भ्रम धीरे-धीरे दूर होता है, तभी इलाज सही दिशा में आगे बढ़ पाता है।

कूटनीति

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

बोर्ड ऑफ पीस: ट्रंप का नया 'ट्रंप-कार्ड'

बोर्ड ऑफ पीस की स्थापना की गाथा गत वर्ष युद्ध जर्जर गाजा में शांति-स्थापना की पहल से होती है। अक्टूबर, सन् 2023 से प्रारंभ युद्ध में इस्रायली कार्रवाई से फलस्तीन को बड़े पैमाने पर तबाही का सामना करना पड़ा। अगस्त-सितंबर में ट्रंप ने टोनी ब्लेयर के सहयोग से गाजा में आंतरिक प्रशासन और आर्थिक बहाली की योजना प्रस्तुत की। प्रस्ताव को इस्रायल और हमास ने कुबूल कर लिया। 12 अक्टूबर को ब्लेयर फलस्तीन के उपराष्ट्रपति हुसैन अल शेख से जोर्डन में मिले। वार्ता सफल रही और उसी शाम ट्रंप ने गाजा-युद्ध के खात्मे और बोर्ड ऑफ पीस के गठन का ऐलान कर दिया। गाजा में युद्ध विराम एक बड़ी घटना थी, लिहाजा संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद ने प्रस्ताव क्रमांक 2803 के जरिये इसका स्वागत किया।

संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बोर्ड ऑफ पीस की शक्ल में अपना ट्रंप-कार्ड यानि तुरूप का पत्ता चल दिया है। बोर्ड ऑफ पीस यानि पीस क्लब को शांति का नोबेल पुरस्कार नहीं मिलने से खफा ट्रंप का अपनी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति का उपक्रम माना जा रहा है। उन्होंने पैंसठ देशों के राष्ट्राध्यक्षों को इससे जुड़ने का न्यौता भेजा है और इसका सदस्यता शुल्क होगा एक अरब डॉलर। ट्रंप इस क्लब के चेयरमैन हैं और इसकी कार्यकारिणी में उनके दामाद जोरड कुश्नर और ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर समेत अनेक राजनयिक और धन्नासेठ शामिल हैं। गौरतलब है कि यूएसए के दूसरी बार निर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने स्वयं को वेनेजुएला का राष्ट्रपति घोषित करने के साथ ही ग्रीनलैंड पर दावा ठोंक रखा है और वह कनाडा को अमेरिकी राज्य के तौर पर देखने का सपना पाले हुये हैं।

बोर्ड ऑफ पीस की स्थापना की गाथा गत वर्ष युद्ध जर्जर गाजा में शांति-स्थापना की पहल से होती है। अक्टूबर, सन् 2023 से प्रारंभ युद्ध में इस्रायली कार्रवाई से फलस्तीन को बड़े पैमाने पर तबाही का सामना करना पड़ा। अगस्त-सितंबर में ट्रंप ने टोनी ब्लेयर के सहयोग से गाजा में आंतरिक प्रशासन और आर्थिक बहाली की योजना प्रस्तुत की। प्रस्ताव को इस्रायल और हमास ने कुबूल कर लिया। 12 अक्टूबर को ब्लेयर फलस्तीन के उपराष्ट्रपति हुसैन अल शेख से जोर्डन में मिले। वार्ता सफल रही और उसी शाम ट्रंप ने गाजा-युद्ध के खात्मे और बोर्ड ऑफ पीस के गठन का ऐलान कर दिया। गाजा में युद्ध विराम एक बड़ी घटना थी, लिहाजा संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद ने प्रस्ताव क्रमांक 2803 के जरिये इसका स्वागत किया। जश्न के तौर पर 13 अक्टूबर, 25 को मिस्र में शर्म-अल-शेख में बैठक हुई। इसी क्रम में हमास के प्रवक्ता हाजेम कासिम की शीघ्र टेक्नालाजिकल कमेटी के गठन का बयान सामने आया। ट्रंप का अभियान बाला-बाला चलता रहा और अंततः 14 जनवरी को ट्रंप ने विभिन्न राष्ट्राध्यक्षों को बोर्ड ऑफ पीस से जुड़ने का दावतनामा भेज दिया। अगले ही दिन उन्होंने दंभोक्ति की कि बोर्ड ऑफ पीस दुनिया में कभी भी और कहीं भी गठित किसी भी संगठन से अधिक प्रतिष्ठापूर्ण उपक्रम है। उन्होंने कहा कि इसका मकसद होगा संकटग्रस्त इलाकों में शांति स्थापना, भरोसेमंद और वैध-प्रशासन की बहाली तथा स्थायित्व को बढ़ावा। सहज समझा जा सकता है कि ट्रंप संयुक्त राष्ट्र संघ के समांतर एक पृथक वैश्विक संगठन की इमारत की ईंटे चिन रहे हैं। बोर्ड आफ पीस की कार्यकारिणी से इस संभावना को बल मिलता है कि ट्रंप इसे निजी क्लब के तौर पर चलाना चाहते हैं। उनका यह उपक्रम शांति स्थापना से अधिक अपनी ताकत और दबदबा बढ़ाने का हथकंडा अधिक लगता है। तो क्या वे यूएनओ को दरकिनार करना चाहते हैं। उन्होंने चेहरे चुन लिये है। इनमें उनके मित्र है, मंत्री हैं और सलाहकार हैं। वह अकारण नहीं है कि इसे उनके अहंकार या दंभ से जोड़कर देखा जा रहा है। मध्यपूर्व में यूएनओ के समन्वयक रहे निकोलाई म्लादेनोव इसके डायरेक्टर जनरल होंगे। कार्यकारिणी के अन्य सदस्य हैं अमेरिका के सेक्रेट्री ऑफ स्टेट मार्को रूबियो, मध्यपूर्व में विशेष दूत स्टीव विटकोफ दामाद कुशनर, ब्रिटन के पूर्व पीएम टोनी ब्लेअर, अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट के मार्क रोवान, राजनीतिक सलाहकार रॉबर्ट गैब्रिएल और वर्ल्ड बैंक के भारतीय मूल के अध्यक्ष अजयपाल सिंह बंगा।

ट्रंप के न्यौते पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएँ सामने आई हैं। कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने शिरकत की तस्दीक की हैं, वहीं तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगान की प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा है। अल्बानिया के पीएम एदी रामा ने भी आमंत्रण स्वीकार कर लिया है और इसे विश्व मंच पर अल्बानिया की बढ़ती प्रतिष्ठा का द्योतक बताया है। अजरबैजान ने जहां इंकार कर दिया है, वहीं फ्रांस के इमैनुएल मैक्रों ने ट्रंप को ठेंगा दिखा दिया है। बड़ी संख्या में मुस्लिम और यहूदी आबादी के अलावा समता, स्वतंत्रता और भ्रातृत्व में फ्रांसीसी निष्ठा जग जाहिर है। अमेरिका का स्टेचू ऑफ लिबर्टी फ्रांस का ही उपहार है। दूसरे योरोपियन यूनियन का हिमायती फ्रांस अमेरिका का पिछ लग्गू नहीं बनना चाहता। मैक्रों के इंकार से क्षुब्ध ट्रंप का नजला फ्रेंच वाइन और शैंपेन पर गिरा है और उन्होंने इन पर टैरिफ दो सौ फीसद बढ़ा दिया है।

धार में बसंत पंचमी उत्सव को लेकर प्रशासन सतर्क शांति एवं कानून व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम

संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है, पुलिस द्वारा लगातार गश्त

धार। धार में बसंत पंचमी उत्सव पर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन द्वारा पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। जिले में सुरक्षा की दृष्टि से चाक-चौबंद व्यवस्था की गई है तथा पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी प्रियंक मिश्र ने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु विभिन्न स्थानों पर कार्यपालिक मजिस्ट्रेट भी तैनात किए गए हैं, ताकि किसी भी स्थिति पर त्वरित नियंत्रण किया जा सके। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है और पुलिस द्वारा लगातार गश्त की जा रही है। पुलिस द्वारा लगातार क्षेत्र में फ्लेग मार्च भी किया जा रहा है। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों एवं भ्रामक सूचनाओं पर ध्यान न दें और शांति बनाए रखने में सहयोग करें। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि किसी भी स्थिति में शांति एवं कानून व्यवस्था से समझौता नहीं किया जाएगा।

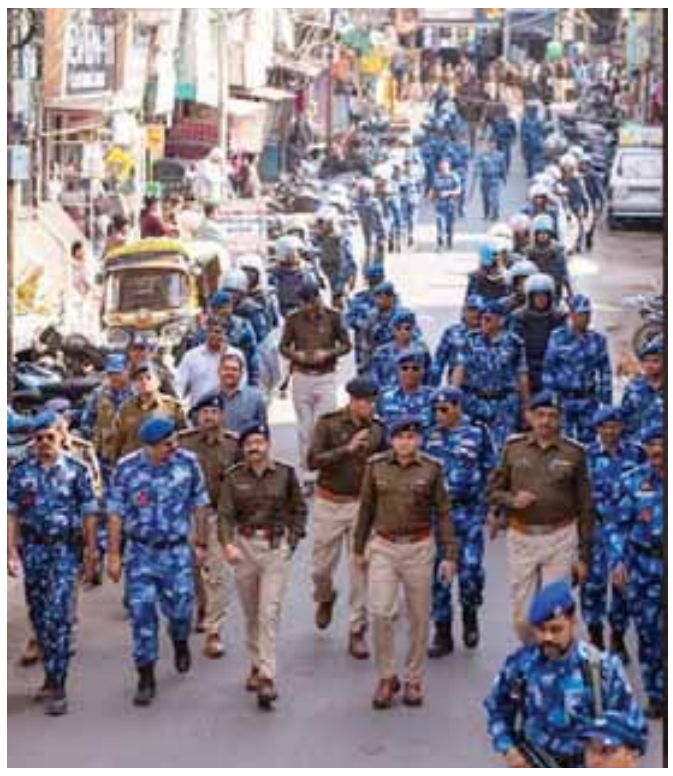

शांति भंग करने अथवा कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के विरुद्ध होगी सख्त कार्रवाई- साथ ही यह भी चेतावनी दी गई है कि शांति भंग करने अथवा कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के विरुद्ध सख्त एवं प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और हर परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार है। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। धार में शांति एवं कानून व्यवस्था तथा साम्प्रदायिक सौहार्द्र बनाये रखने के उद्देश्य से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत अनेक प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए गए हैं।

नो-फ्लाई जोन घोषित- जिला प्रशासन ने भोजशाला क्षेत्र में बसंत पंचमी पर 300 मीटर परिधि में नो-फ्लाई जोन घोषित किया है। निर्धारित क्षेत्र में किसी भी प्रकार की उड़ान गतिविधि जैसे ड्रोन, पैराग्लाइडिंग, हॉट एयर बैलून, अनमैन्ड एरियल व्हीकल (UAV) अथवा अन्य किसी भी प्रकार की उड़ने वाली वस्तु का संचालन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

सुरक्षा के माकूल इंतजाम-बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात

धार क्षेत्र में सुरक्षा के माकूल इंतजाम किए गए है। चौकस निगरानी रखी जा रही है। धार में 6461 पुलिस अधिकारियों और कर्मियों का बल प्राप्त हुआ है। इसमें पुलिस अधीक्षक स्तर के 13, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के 25, उप पुलिस अधीक्षक/नगर पुलिस अधीक्षक स्तर के 67, नगर निरीक्षक स्तर के 107, उपनिरीक्षक/सहायक उपनिरीक्षक स्तर के 393, प्रधान आरक्षक/आरक्षक स्तर के 4375 अधिकारी/कर्मी तैनात किए गए हैं। क्षेत्र में कुल 933 महिला बल भी तैनात है। कुल 08 आरएएफ प्लाटुन की तैनाती भी की गई है। इसके साथ ही लगभग डेढ़ से दो हजार और पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों का आना अपेक्षित है। भोजशाला में प्रवेश करते समय अनपेक्षित सामग्री/वस्तुएं ले जाने संबंधी प्रतिबंधात्मक आदेश बोतल/केन में खुले रूप से डीजल/पेट्रोल विक्रय पर प्रतिबंध किसी भी आयोजन की पूर्वानुमति लेना जरूरी अपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों के विरूद्ध लगातार प्रतिबंधात्मक कार्रवाई लगातार बैठकों का आयोजन।

नितिन नबीन के भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर भाजपा कार्यालय में आतिशबाजी एवं मिष्ठान वितरण कर उत्सव मनाया

धार। भारतीय जनता पार्टी के नव-निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के पदभार ग्रहण के शुभ अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती के नेतृत्व में बुधवार को भाजपा जिला कार्यालय में उत्साह और उल्लास के साथ आतिशबाजी एवं मिष्ठान वितरण कर उत्सव मनाया गया।

इस दौरान भाजपा वरिष्ठ नेता डॉ शरद विजयवर्गीय भाजपा जिला महामंत्री देवेंद्र सोनोने, पूर्व विधायक वेलसिंह भूरिया, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा, मंडल अध्यक्ष जयराज देवड़ा विशेष रूप से उपस्थित रहे। भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी एक मात्र ऐसी पार्टी है जिसमे पार्टी से बड़ा कोई नही होता है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने भी नितिन नबीन के पदभार ग्रहण करने के अवसर पर साफ-साफ कहा कि मैं 2014 से लगातार देश का तीसरी बार प्रधानमंत्री बना हूं और उससे पूर्व गुजरात का कई वर्षों तक मुख्यमंत्री रहा, यह सब अपनी जगह पर है। लेकिन इन सबसे बड़ी मेरे जीवन मे यदि कोई चीज है तो में भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता हूं और नितिन नबीन जी मेरे बोस है।

डॉ शरद विजयवर्गीय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्णायक, दूरदर्शी और राष्ट्र प्रथम नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी आज देश के प्रत्येक नागरिक के विश्वास की सबसे मजबूत धुरी बन चुकी है। इस अवसर पर जिला कार्यालय मंत्री मनीष प्रधान, युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष बादल मालवीय, पूर्व युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष देवेंद्र रावल, सुरेश प्रजापत,दीपक सिंह रघुवंशी, कैलाश पिपलोदिया,महेश बोडाने,गौरव जाट,रजत प्रजापत, दीपेंद्र सिंह ठाकुर जतिन मौर्य, लक्ष्मी नारायण नायक,महेश कदम मंजुला बघेल राहुल परमार दिनेश चौहान अनिल यादव सहित मंडल कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

मातृशक्ति द्वारा भोजशाला में सरस्वती पूजन किया गया

धार। वसंतोत्सव अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में मातृशक्ति द्वारा मंगलवार को बड़े पैमाने पर मां सरस्वती पूजन का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में माताओं, बहनों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में धर्म जागरण प्रांत संयोजिका अर्चना कर्णावत इंदौर, एवं हिन्दू नेता और भोज उत्सव समिति संरक्षक अशोक जैन, साथ ही कार्यक्रम की अध्यक्षता वैश्य महासम्मेलन जिला महिला इकाई अध्यक्ष रेखा विजय मेहता द्वारा की गई। जानकारी देते हुए कार्यक्रम संचालन कर रही तृप्ति जयसवाल ने बताया कि मुख्य अतिथिगण ने सभी मातृशक्ति को एकजुट होकर अपने त्योहार, सामाजिक कार्य, और परिवार के साथ मिलकर मनाने चाहिए, और बच्चियों को उच्च शिक्षा और संस्कार के साथ आत्म रक्षा करने हेतु सक्षम बनाने के गुण भी सीखने चाहिए। अशोक जैन ने मां सरस्वती मंदिर भोजशाला पर पूरा इतिहास की जानकारी दी। अतिथि परिचय नीलम पगारिया ने दिया , आभार और धन्यवाद रेखा विजय मेहता द्वारा दिया गया।

'राहवीर योजना'

पुलिस का यातायात जागरूकता अभियान सेमरीहरचंद कृषि मंडी, सोहागपुर बालक वाला में समझाइश

हीरालाल गोलानी सोहागपुर। नर्मदापुरम यातायात पुलिस के तहत 'राहवीर योजना' के अंतर्गत विशेष अभियान प्रारंभ किया गया। जिसमें आज समीपवर्ती ग्राम सेमरीहरचंद कृषि मंडी एवं बालक हाई स्कूल में थाना सोहागपुर एवं चौकी सेमरी के पुलिस बल के साथ एसडीओपी संजू चौहान,नगर निरीक्षक उषा मरावी ,उपनिरीक्षक आकाशदीप,सहायक उप निरीक्षक गणेश राय, प्रधान आरक्षक नरेंद्र, आरक्षक अतुल, सेवक , नंदकिशोर आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर एसडीओपी संजू चौहान एवं नगर निरीक्षक उषा मरावी ने राह वीर योजना की विस्तृत जानकारी देते बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की जान बचाने के संबंध में एवं दुर्घटना के 1 घंटे के भीतर घायल को अस्पताल पहुंचने में योजना के अंतर्गत लाभ राज्य शासन के

द्वारा प्रदान जाता है । जिसमें यदि घायल व्यक्ति के जान बच जाती है।ऐसी स्थिति में जान बचाने मददगार करने वाले को पहले 5हजारकी राशि दी जाती थी।अब यह राशि 25 हजार रूपए कर दी गई है। इसके अलावा ट्रैक्टर ट्रालियों में रेडियम पट्टी इत्यादि लगाई गई। यातायात के नियमों का पालन करने का सभी को आव्हान किया गया । इसी प्रकार बालक हाई स्कूल में भी स्कूली छात्रों को एवं स्कूल स्टाफ को यातायात संबंधी जानकारी देकर जागरूक किया गया। सोहागपुर पुलिस यातायात के नियमों का पालन कराने के लिए प्रतिदिन विशेष चेकिंग अभियान चला रही है।नियमों का पालन न करने वालों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की कार्यवाही की जा रही है।सभी से आग्रह किया गया है मोटर व्हीकल एक्ट के नियमों का पालन करके जागरूक होने का परिचय दे तथा सुरक्षित रहें ।वर्ष 2026 के आरंभ से अभी तक सोहागपुर पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध 08 प्रकरण दर्ज किए हैं ।जिसमें 07 प्रकरण माननीय न्यायालय प्रस्तुत किए गए। जिसमें सभी 07 प्रकरणों में माननीय न्यायालय सोहागपुर के द्वारा 75000 का जुर्माना किया गया है।शराब पीकर चलने वाले सभी वाहनों के चालको के लाइसेंस को भी निरस्त किए जाने की कार्यवाही प्रस्तावित की है ।कार्यवाही का प्रस्ताव आरटीओ नर्मदापुरम को प्रेषित किया जा रहा है। यातायात के नियमों का पालन न करने वालों के विरुद्ध दोपहिया एवं चार पहिया वाहनों के खिलाफ मुख्य रूप से हेलमेट, सीटबेल्ट एवं ओवर हाइट एवं अन्य के 100 प्रकरणों में 43800 का समन शुल्क भी वसूल किया गया हैद्य यातायात के प्रति सामाजिक जागरूकता की भी आवश्यकता हैद्य ताकि सभी नागरिक सुरक्षित रहे।

काव्य महोत्सव में राष्ट्रीय ओज कवि यशवंत चौहान को प्रकृति फाउंडेशन अवॉर्ड

धार। प्रकृति फाउंडेशन मेरठ के द्वारा विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का आगाज़ माँ सरस्वती के पूजन-अर्चन से हुआ । प्रकृति फाउंडेशन के निदेशक मुकेश 'नादान' ने आमंत्रित कवियों का पुष्पहारों से स्वागत किया । आयोजन में इंदौर, मध्यप्रदेश के राष्ट्रीय ओज कवि यशवंत चौहान को उनकी साहित्य साधना के लिए प्रकृति फाउंडेशन एवं साहित्य लोक के निदेशक डॉ. सुबोध गर्ग के द्वारा बेस्ट ऑफ द ईयर सम्मान प्रदान किया गया ।

कवि सम्मेलन में अमित जैन, कवयित्री सरोज दुबे ने अपने गीतों से मन मोह लिया । कवि रामचंद्र वैश्य, अरुण शर्मा, कवयित्री वैशाली गोयल, गुलाब सिंह, प्रदीप अग्रवाल ने श्रोताओं की खूब दाद बटोरी । स्वर साम्राज्ञी

लता मंगेशकर द्वारा प्रदान किए गए उपनाम 'जानम' के नाम से प्रसिद्ध शायर गोपाल जानम ने अपनी ग़ज़लों से कार्यक्रम को नयी ऊँचाइयाँ प्रदान की ।

कार्यक्रम में अंतिम कलश रखा राष्ट्रीय ओज कवि यशवंत चौहान ने। उन्होंने उपस्थित जन समूह में अपनी प्रतिनिधि रचनाओं से समा बांधा। उन्होंने कविता के सम्मान में लिखी अपनी कविता से विशिष्ट छाप छोड़ी वहीं उनके प्रसिद्ध गीत ऋषि मुनियों की पुण्य धरा ईश्वर ने इसे संवारा है ने सुधि श्रताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का उत्कृष्ट एवं सधा हुआ संचालन सतीश अरोड़ा 'सहज' के द्वारा किया गया । कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन निरुपमा वर्मा के द्वारा किया गया ।

भैंसदेही विधायक और जिला कलेक्टर पहुंचे जिला अस्पताल, बेहतर उपचार के दिए निर्देश

स्कूल वैन और तूफान जीप की टक्कर, छात्रा की मौत, 11 बच्चे घायल, पांच गंभीर

बैतूल। भैंसदेही में गुदगांव रोड पर बुधवार सुबह गैस गोदाम के पास स्कूल वैन और तूफान जीप वाहन की जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में जहां एक छात्रा की मौके मौत हो गई, वहीं 15 बच्चे घायल हुए है। जिसमें से 3 की हालत गंभीर बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फरार तूफान जीप के ड्रायवर की तलाश जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वैदिक विद्या संस्कार पीठ की स्कूल वैन और तूफान वाहन के बीच टक्कर में 7 वर्षीय छात्रा हर्षिता पाटणकर पिता पवन निवासी हनुमान धाना की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक बच्ची स्कूल वैन चालक सोनू पाटणकर की भतीजी थी और हादसे के वक्त वह उसके पास की सीट पर बैठी थी। बताया जा रहा है कि वैन में कुल 16 बच्चे सवार थे। हादसे में ड्राइवर सोनू पाटणकर भी स्टीयरिंग में फंस गया था, जिसे बाद में स्थानीय लोगों ने बाहर निकाला। टक्कर के बाद वैन पूर्णा नदी के पास पलट गई। सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भैंसदेही ले जाया गया, जहां से गंभीर बच्चों को जिला अस्पताल बैतूल एवं फिर एम्स भोपाल रेफर किया गया है। तूफान वाहन में दो लोग सवार थे, जो हादसे के बाद मौके से फरार हो गए। हादसा स्कूल से महज आधा किलोमीटर

की दूरी पर हुआ। घटना में 10 गंभीर घायल बच्चों और ड्राइवर को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की पुष्टि करते हुए एसडीओपी भैंसदेही भूपेंद्र सिंह मौर्य ने बताया कि वैदिक विद्यापीठ स्कूल की बस की गैस गोदाम के पास तूफान वाहन से जबरदस्त टक्कर हुई है, जिसमें 11 बच्चे घायल हुए तथा एक की मौत हो गई है। स्कूल वैन के ड्राइवर और गंभीर घायल बच्चों को बैतूल रेफर किया गया है, पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फरार तूफान वाहन के ड्राइवर व उसके साथी की तलाश जारी है।

विधायक- कलेक्टर पहुंचे जिला अस्पताल- घटना के जानकारी मिलते ही भैंसदेही के विधायक महेन्द्र सिंह चौहान भी जिला अस्पताल पहुंचे और हादसे के बारे में जानकारी हासिल की। उन्होंने घटना पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए प्रशासन से जल्द से जल्द घायलों का बेहतर उपचार करने एवं आर्थिक सहायता राशि देने की मांग की। इधर जिला कलेक्टर ने भी जिला अस्पताल पहुंचकर घायल बच्चों के बारे में विस्त?त जानकारी हासिल की। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने सीएमएचओ को निर्देश दिये कि घायल बच्चों को त्वरित और बेहतर उपचार उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने सडक दुर्घटना में घायल बच्चों की जानकारी प्राप्त होते ही एसडीएम भैंसदेही, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बैतूल एवं सिविल सर्जन जिला चिकित्सालय बैतूल को निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायल बच्चों के स्थिति और उपचार के सम्बन्ध में सीएमएचओ से जानकारी भी ली। उन्होंने गंभीर रूप से घायल दो बच्चे और स्कूल वैन के वाहन चालक को एम्स भोपाल भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने रेफर करने संबंधी सभी आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

रेड क्रॉस मद से तत्काल 25 हजार राशि देने के निर्देश- जिला कलेक्टर ने सडक दुर्घटना में मृतक बच्ची के परिजनों को रेड क्रॉस मद से तत्काल 25 हजार की राशि देने के निर्देश दिए। साथ ही गंभीर रूप से घायलों को 10-10 हजार की राशि देने के लिए निर्देशित किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को बच्चों को अच्छा से अच्छा उपचार करने के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन, सिविल सर्जन डॉ. मनोज हुरमाड़े सहित अन्य डाक्टर एवं अधिकारी मौजूद रहें। एसडीएम भैंसदेही ने बताया कि बुधवार सुबह घटित सडक दुर्घटना में कुल 16 बच्चे वाहन में शामिल थे, जिनमें 1 चालक भी था। दुर्घटना में 1 बच्ची की मृत्यु हो गई है तथा 15 बच्चे और ड्राइवर घायल हुए हैं। घायलों में से 10 बच्चे एवं चालक को बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय बैतूल रेफर किया गया है। शेष घायलों का उपचार भैंसदेही में जारी है। यह दुर्घटना बोलेरो वाहन की टक्कर से हुई है।

अब कम मूल्य पर उपलब्ध होगा ठंडा पानी, रेल यात्रियों हेतु पानी की सुविधा

बैतूल स्टेशन पर वाटर वेंडिंग मशीन का हुआ उद्घाटन

बैतूल। बैतूल रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए एक नई सुविधा की शुरुआत की गई है। स्टेशन क्रमांक 1 और 2 पर बुधवार 21 जनवरी को वाटर वेंडिंग मशीन का उद्घाटन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य यात्रियों को ठंडा और शुद्ध पानी सस्ती कीमत पर उपलब्ध कराना है। यह उद्घाटन स्टेशन मैनेजर श्री बागडे और उनके स्टाफ के सभी अधिकारियों तथा राघव इंजीनियरिंग वर्कर्स के सभी वर्कर्स की उपस्थिति में हुआ। जिनमें राघव इंजीनियरिंग के संचालकद्वय राहुल

अग्रवाल व प्रभव अग्रवाल, सचिन पाटनकर, सुमित सरले, जितेंद्र सिंग, मदन गोपाल आदि शामिल थे। उन्होंने इस नई सुविधा के उद्घाटन में सक्रिय भूमिका निभाई और यह सुनिश्चित किया कि यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण सेवा मिल सके।

अब शुद्ध पानी, कम कीमत पर- लाइसेंसधारी राहुल ज्ञान अग्रवाल ने बताया कि अब रेल यात्रियों को ठंडा पानी अन्य स्थानों की तुलना में कम मूल्य पर उपलब्ध कराया जाएगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि पानी न केवल ठंडा हो, बल्कि उसकी शुद्धता भी पूरी तरह से बनी रहे। इस पहल से यात्रियों को न केवल राहत मिलेगी, बल्कि उनकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को भी कम किया जा सकेगा, क्योंकि शुद्ध पानी का सेवन उनकी सेहत के लिए फायदेमंद रहेगा।

यात्रियों को मिल रही बेहतर सुविधा- यह कदम बैतूल रेलवे स्टेशन पर यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण सुधार है, जो गर्मी के मौसम में अक्सर पानी की कमी और उच्च कीमतों का सामना करते हैं। इस पहल से अब उन्हें न केवल किफायती दरों पर पानी मिलेगा, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया गया है कि पानी पूरी तरह से सुरक्षित और स्वच्छ हो।

प्रजापति समाज ने आराध्य देवी श्रीयादे माता जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया, विशाल शोभायात्रा निकाली

सुबह सवेरे सोहागपुर। प्रजापति समाज ने आराध्य देवी श्री यादे माता का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर नगर में विशाल शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें कलश लिए मातृशक्ति, प्रभु श्री राम भक्त हनुमान एवं श्री यादे माता की ट्रेक्टर ट्राली पर प्रतिमा झांकी निकाली। इसी के साथ माता पुरा के प्राचीन अखाड़े दाऊ दरयावसिंह के सदस्यों ने मुख्य बाजार में अपना उत्कृष्ट प्रर्दशन किया। विशाल शोभायात्रा मुख्य मार्गो का से भ्रमण होकर देनवा गार्डन पहुंची । अतिथियों ने श्रीयादे माता की पूजा-अर्चना की । प्रजापति समाज के पदाधिकारियों ने मंचासीन अतिथियों का स्वागत किया।मुख्य अतिथि महेश मालवीय प्रजापति भोपाल ने प्रदेश में आयोजित होने वाले सामाजिक कार्यक्रमों एवं प्रजापति समाज की उपलब्धियों का सारर्गभित विस्तारपूर्ण वर्णन किया । जिला अध्यक्ष चतुर्भुज प्रजापति आदि अतिथियों ने संबोधन किया। सांसद श्री दर्शन सिंह ने उपस्थित जन समुदाय को 'मोबाइल' के माध्यम से संबोधित किया। आपने प्रजापति समाज को श्री यादे माता जन्मोत्सव की बधाई देकर समाज

के लिए सामाजिक और आर्थिक मजबूती के लिए कई आवश्यक आश्वासन दिए । जिसमें समाज के लिए मिट्टी उठाने की पूर्ण अनुमती शासन से दिलाने की बात कही। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता विशाल गोलानी ने अपने उद्बोधन में बताया कि प्रजापति समाज की आराध्य देवी श्रीयादे माता सदियों पहले नही वरन युगों पहले सत युग मे भक्त प्रह्लाद की आध्यात्मिक गुरु बनी और भक्त प्रहलाद को 'श्रीहरी विष्णु भगवान की भक्ति' से परिचय करवाया। ब्रम्हा जी के वंशज दक्ष प्रजापति से संबंधित इस समाज ने अनेको वीर एवं महापुरुष भारत भूमि को दिए। मुग़लों और अंग्रेजों के शासनकाल के समय जब समाज एकजुट करने के लिए सामूहिक गणेश पूजा और नवरात्रि में माता पूजा प्रारंभ की गई तब प्रजापति समाज ने प्रतिमाएं तैयार कर अपना अहम योगदान दिया। परंतु समाज को अब नवाचार की आवश्यकता है, नई नई चीजें और प्रतिमाओं की उन्नत किस्में बनाने का प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहिए और अपनी धरोहर को आगे बढ़ाना चाहिए। विगत कुछ दिनों पूर्व तीन बच्चों की दुर्घटना में दुःखद मृत्यु हो गई उनको श्रद्धांजलि देते हुए कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विशाल गोलानी ने सभी से आह्वान किया कि ट्रालियों पर रेडियम लगाएं एवं हेलमेट का उपयोग अवश्य करें। अंत में कार्यक्रम के आयोजक संयोजक ब्लाक अध्यक्ष कमलेश मालवीय प्रजापति द्वारा आभार व्यक्त करते आयोजन को सफल बनाने पर सभी की प्रशंसा की । इसमें सामाजिक संगठन के सोहागपुर के उमेश प्रजापति महेश प्रजापति गुड्डा प्रजापति,मोती प्रजापति, हीरालाल प्रजापति, जगु प्रजापति,दीपक प्रजापति, अनिल प्रजापति,मुन्नू प्रजापति,बबलू प्रजापति, अशोक प्रजापति आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना विशेष योगदान दिया। अंत में भोजन प्रसादी का आयोजन किया गया।

विभाग कार्यक्रम की समस्त तैयारी निर्धारित समय सीमा में पूरी करें: कलेक्टर

गणतंत्र दिवस पर तैयार की जाने वाली प्रदर्शनियां समय सीमा की बैठक के दौरान कलेक्टर ने पर्वों, आयोजनों विभागीय योजनाओं सहित अन्य कार्यों की समीक्षा कर अधिकारियों को दिए निर्देश

हर ग्राम पंचायत तक पहुंचे संकल्प से समाधान अभियान, ग्राउंड लेवल अमला भी किया जाए सक्रिय विभागीय योजनाओं, नवाचारों एवं सफलताओं पर केंद्रित हो

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर ने आयोजित समय-सीमा की बैठक में नर्मदा प्रकटोत्सव, चौरागढ़ मेला, तिलक सिंदूर मेला, गणतंत्र दिवस की तैयारियां, संकल्प से समाधान अभियान, धान उपार्जन, आनंद उत्सव, सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई, समय-सीमा प्रकरण, न्यायालयीन मामलों तथा मुख्य सचिव समीक्षा वीसी के बिंदुओं की विस्तारपूर्वक समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि नर्मदा प्रकटोत्सव की सभी तैयारियां समय-पूर्व पूर्ण की जाएं। जल मंच का सौंदर्यकरण, साफ-सफाई, सर्किट हाउस घाट की मरम्मत तथा आयोजन के दौरान होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा तैयार की जाए।

उन्होंने सीएमओ को निर्देश दिए कि कार्यक्रम की तैयारियां मुख्यमंत्री की संभावित उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए उच्च स्तर पर की जाएं तथा हेलीपैड से सर्किट हाउस और जल मंच तक रूट चार्ट चिन्हित किया जाए। ईई पीडब्ल्यूडी को सर्किट हाउस व घाट पर आवश्यक मरम्मत व व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा जिला कमांडेंट होमगार्ड को जल मंच पर पर्याप्त लाइफ जैकेट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। एडीएम श्री राजीव रंजन पांडे को कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी लगाने के निर्देश भी दिए। बैठक में कलेक्टर ने चौरागढ़ मेले की तैयारियों की समीक्षा करते हुए एसडीएम पिपरिया को निर्देशित किया कि पार्किंग व दुकानों की नीलामी हेतु विधिवत निविदाएं आमंत्रित कर आगे की कार्रवाई करें। महाशिवरात्रि के अवसर पर तिलक सिंदूर मंदिर में लगने वाले मेले को लेकर कलेक्टर सुश्री मीना ने एसडीएम इटारसी को मंदिर पहुंच मार्ग व सीढ़ियों की मरम्मत पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही मंदिर समिति के साथ बैठक कर समन्वयपूर्वक सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देशित किया गया। उन्होंने 26 जनवरी को आयोजित होने वाले जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, झांकियों को तैयार किए जाने के लिए भी विषयवार निर्देश दिए।

कलेक्टर ने निर्देश दिए की गणतंत्र दिवस समारोह के लिए विभागों द्वारा तैयार की जाने वाली झांकियां केवल औपचारिकता मात्र ना हो अपितु विभागीय योजनाओं नवाचारों, सफलता की कहानियों पर केंद्रित हो। उन्होंने कहा कि सभी विभाग अव्वल स्थान प्राप्त करने के उद्देश्य से ही झांकियां तैयार करें। कलेक्टर ने संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले शिविरों में अधिक से अधिक आवेदन प्राप्त करने तथा आवेदनों का समय-सीमा में निपटारा सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने समस्त एसडीएम को नियमित रूप से शिविरों के आयोजन तथा शिविरों के माध्यम से अधिकाधिक आवेदनों को दर्ज कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त होने वाले सभी आवेदनों का पोर्टल पर अद्यतन अनिवार्य रूप से किया जाए, ताकि अभियान की प्रगति पारदर्शी एवं प्रभावी रहे।

उन्होंने अभियान के तहत प्राप्त आवेदनों की योजनावार समीक्षा करते हुए स्पष्ट कहा कि ग्राउंड लेवल अमले को पूरी तरह सक्रिय किया जाए तथा अभियान का क्रियान्वयन प्रत्येक नगरीय निकाय एवं ग्राम पंचायत में ज़मीनी स्तर पर सुनिश्चित हो। कलेक्टर ने सख्त निर्देश दिए कि अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अभियान अवधि में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। साथ ही उन्होंने आगामी दो दिवसों में अभियान के अंतर्गत उल्लेखनीय प्रगति प्राप्त करने के निर्देश भी दिए।समय सीमा की बैठक के दौरान जिला आपूर्ति अधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि जिले में संचालित धान खरीदी के तहत अब तक लगभग 22183 किसानों ने 259660 मेट्रिक टन स्कंध का उपार्जन किया गया है। जिसमें से 252523 मेट्रिक टन स्कंध का सफल परिवहन किया जा चुका है तथा 560.74 करोड रुपए के ईपीओ जनरेट किए जा चुके हैं। कलेक्टर ने निर्देश दिए की शेष रेडी टू ट्रांसपोर्ट धान का परिवहन कर शेष किसानों को भुगतान किया जाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने आनंद उत्सव की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की सभी सीईओ एवं सीएमओ पोर्टल पर आवश्यक रूप से पंजीयन करें। उन्होंने निर्देश दिए की सभी एसडीएम आनंद उत्सव के तहत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों का आयोजन जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सुनिश्चित करें साथ ही संकल्प से समाधान अभियान की बैठक जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कर अभियान की रूपरेखा से सभी को अवगत कराएं।

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि आनंद उत्सव के तहत किया जा रहे कार्यक्रमों में पत्रकार बंधुओ की भी उपस्थित दर्ज करवाई जाए। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन के तहत लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए राजस्व, वन, श्रम, एलडीएम आदि विभागों के प्रदर्शन पर असंतोष व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि सभी अधिकारी शिकायतों के समाधान में अपेक्षित प्रगति दर्ज करे। इसी प्रकार कलेक्टर ने समय सीमा के लंबित मामलों के निराकरण में भी गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने जनसुनवाई के लंबित मामलों की प्रकरणवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया की पुरानी शिकायतों पर विशेष रूप से फोकस करते हुए एक सप्ताह के भीतर उनका निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने प्रभारी अधिकारी जनसुनवाई को पूर्व में जारी किए गए नोटिस के जवाब तथा निराकृत आवेदनों की विस्तार पूर्वक जानकारी बनाकर प्रस्तुत किए जाने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, एडीएम श्री राजीव रंजन पाण्डे, अपर कलेक्टर श्री अनिल जैन, श्री बृजेंद्र रावत सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक अब 23 जनवरी को होगी

सीहोर (निप्र)। जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक अब 23 जनवरी को दोहपर 12 बजे जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। पहले यह बैठक 21 जनवरी को होनी थी, पर 21 जनवरी को कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस होने के कारण अब 23 जनवरी को होगी। बैठक में शिक्षा विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, विद्युत मंडल विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, कृषि विभाग एवं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कार्यों एवं गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी।

कुपोषित बच्चों की देखभाल एनआरसी में

विदिशा (निप्र)। जिले में कुपोषित बच्चों के बेहतर उपचार एवं पोषण सुधार हेतु संचालित न्यूट्रिशन रिहैबिलिटेशन सेंटर (एनआरसी) में 19 जनवरी को कुल 113 बच्चों को भर्ती किया गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा ने बताया कि इन बच्चों को चिकित्सकीय देखरेख में विशेष पोषण आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच एवं आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार एनआरसी में भर्ती बच्चों की सेहत में सुधार लाने के लिए प्रशिक्षित चिकित्सक एवं पोषण विशेषज्ञों की टीम द्वारा निरंतर निगरानी की जा रही है। साथ ही बच्चों की माताओं को भी पोषण, स्वच्छता एवं देखभाल संबंधी आवश्यक परामर्श प्रदान किया जा रहा है, जिससे उपचार के बाद भी बच्चों का स्वास्थ्य बेहतर बना रहे। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा कुपोषण मुक्त जिले के लक्ष्य को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और एनआरसी में की जा रही यह भर्ती उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सीएम हेल्पलाइन रैंकिंग में सुधार, समयबद्ध निराकरण से बढ़ी प्रशासन की प्रभावशीलता

विदिशा (निप्र)। जिले में सीएम हेल्पलाइन एवं समाधान ऑनलाइन के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के समयबद्ध एवं संतोषजनक निराकरण के परिणामस्वरूप रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार दर्ज हो इसके लिए तमाम प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं के निर्देश आज अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने विषयवार विभागों द्वारा लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा कर गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चिति पर बल दिया है।प्रशासन द्वारा वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त आवेदनों के साथ-साथ सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों पर विशेष ध्यान दिया गया, जिससे आवेदकों की संतुष्टि का स्तर बढ़ा है। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि प्रत्येक आवेदन का निराकरण निर्धारित समय-सीमा में किया जाए और समाधान की गुणवत्ता पर विशेष फोकस रखा जाए। अपर कलेक्टर श्री डामोर ने रैंकिंग में गिरावट ना आएं इसके लिए टीम वर्क से कार्यो को परिणात्मक बताते हुए सभी विभागीय अधिकारियों से इसी प्रकार निरंतर प्रयास जारी रखने के निर्देश दिए, ताकि जिले की रैंकिंग और अधिक बेहतर हो सके तथा आमजन को प्रभावी और भरोसेमंद प्रशासनिक सेवाएं प्राप्त हो सकें।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने सीएमएचओ कार्यालय का किया निरीक्षण

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सोमवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय की स्थापना शाखा का अवलोकन किया और वहां संचालित कार्यप्रणाली की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि सभी शासकीय सेवक अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन निर्धारित समय-सीमा में सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शासकीय कार्यों में अनावश्यक विलंब से आम नागरिकों और हितग्राहियों को परेशानी होती है, इसलिए समयबद्धता और पारदर्शिता के साथ कार्य किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि शासन की सभी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचे, इसके लिए विभागीय समन्वय और कार्य की नियमित समीक्षा की जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने रिकॉर्ड संधारण, फाइलों के समय पर निराकरण तथा कर्मचारियों की उपस्थिति पर भी ध्यान देने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत ड्रिप सिस्टम किया स्थापित

1.40 एकड़ में टमाटर से 110 दिन में 2.75 लाख का मुनाफा

बैतूल (निप्र)। चिचोली तहसील के ग्राम निवारी निवासी प्रगतिशील किसान अखिलेश सोनी ने पारंपरिक खेती से हटकर उद्यानिकी फसलों को अपनाया और कम समय में अधिक मुनाफा कमाकर क्षेत्र के किसानों के लिए मिसाल बन गए हैं। किसान श्री सोनी ने उद्यानिकी विभाग से प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना पर ड्रॉप मोर क्रॉप घटक के तहत ड्रिप सिस्टम स्थापित किया। इसके बाद उन्होंने 1.40 एकड़ क्षेत्र में अभिलाष किस्म के टमाटर की खेती की, जिससे मात्र 110 दिनों में 1 लाख रुपए की लागत पर 2.75 लाख रुपए का शुद्ध लाभ अर्जित किया। खास बात यह है कि उनके खेत में अभी भी करीब 3 से 4 लाख रुपए मूल्य के टमाटर लगे हुए हैं। किसान अखिलेश सोनी ने बताया कि वर्तमान में खेत में लगे टमाटर जैसे-जैसे तैयार होंगे, उन्हें भोपाल, नागपुर और अमरावती की बड़ी मंडियों में बेचा जाएगा। इन बाजारों में बेहतर भाव मिलने से आमदनी में और बढ़ोतरी होगी। उन्होंने बताया कि वे पहले गेहूं, सोयाबीन और मक्का जैसी पारंपरिक फसलों की खेती करते थे, जिसमें प्रति एकड़ मात्र 20 क्विंटल उत्पादन ही मिल पाता था। इससे सीमित आय होती थी। इसके बाद उन्होंने उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग से प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई पीएमडीसी योजना के अंतर्गत 1 हेक्टेयर क्षेत्र में ड्रिप सिस्टम का लाभ लिया, जिसकी ईकाई लागत 1.27 लाख आई और कृषक को 0.54 लाख का अनुदान मिला। विभागीय अधिकारियों के तकनीकी मार्गदर्शन से टमाटर की खेती शुरू की, जिससे उत्पादन और गुणवत्ता दोनों में सुधार हुआ।

परम्परागत खेती की जगह उन्नत तकनीक से खेती कर युवा किसान धीरज ने बदली अपनी तकदीर

क्षेत्र में किसानों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बनें युवा किसान धीरज

रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले के किसान भाई परम्परागत खेती के अलावा अब उद्यानिकी या नगदी फसलों की आधुनिक तकनीक से खेती कर अपनी तकदीर बदल रहे हैं। विशेष रूप से युवा किसानों का अब अमरूद और सब्जी सहित अन्य उद्यानिकी फसलों की खेती की ओर रूझान बढ़ा है। कहते हैं कि यदि युवा अपनी ऊर्जा और आधुनिक तकनीक को जोड़ दें, तो माटी सोना उगलने लगती है, रायसेन जिले के सांची विकासखंड के ग्राम नकतरा के धीरज सुरमा ने इस बात को सच कर दिखाया है। धीरज ने ना केवल अपनी मेहनत से खेती को लाभ का धंधा बनाया है, बल्कि जिला प्रशासन की पहल और कृषि विभाग के सहयोग से आज वे क्षेत्र के सैकड़ों युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत भी बन गए हैं।

परंपरागत खेती छोड़, नवाचार को अपनाया : युवा किसान धीरज ने पारम्परिक फसलों के ढर्रे से हटकर कुछ नया करने की ठानी। उन्होंने अपने खेत के

ढेड़ एकड़ हिस्से में 'ताइवान पिंक' किस्म के अमरूद और एक एकड़ में सब्जी टमाटर, गोभी, मेथी, भिंडी आदि की आधुनिक खेती शुरू की। उन्नत किस्म के पौधों और सटीक प्रबंधन के कारण उन्हें उम्मीद से बेहतर गुणवत्ता और पैदावार प्राप्त हुई।

'आत्मा' परियोजना बनी सफलता की आधारशिला : धीरज की इस सफलता के पीछे कृषि विभाग की 'आत्मा' परियोजना का बड़ा योगदान है। परियोजना के विशेषज्ञों ने धीरज को मिट्टी परीक्षण से लेकर कीट प्रबंधन और आधुनिक सिंचाई पद्धतियों की बारीकियों से अवगत कराया। कृषि विभाग के निरंतर मार्गदर्शन ने धीरज के आत्मविश्वास को बढ़ाया और उन्हें जोखिम लेने की शक्ति दी। धीरज की कहानी का सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब उन्होंने जिला कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की पहल पर जिले में शुरू किए गए 'जैविक हाट' में अपने उत्पाद बेचना शुरू किया। यहाँ उन्हें बाजार के बिचौलियों से मुक्ति मिली और अपने शुद्ध, जैविक उत्पादों का सीधा लाभ मिला। स्थानीय ग्राहकों द्वारा उनके ताइवान पिंक अमरूद को हाथों-हाथ लिया गया, जिससे धीरज को सामान्य बाजार की तुलना में कहीं अधिक मुनाफा प्राप्त हुआ। अपनी सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए युवा किसान धीरज सुरमा कहते हैं कि खेती में अब अपार संभावनाएं हैं। बस जरूरत है सही जानकारी और आधुनिक तकनीक को अपनाने की। वह जिला प्रशासन और आत्मा परियोजना के आभारी है, जिन्होंने उन जैसे छोटे किसान को बाजार और तकनीक से जोड़कर सशक्त बनाया। युवा किसान धीरज की सफलता क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है, जो यह साबित करती है कि खेती यदि सूझबूझ से की जाए, तो यह किसी भी बड़े व्यवसाय से कम नहीं।

ग्रामोदय से अभ्युदय मध्य प्रदेश कार्यक्रम में स्वदेशी अपनाने और स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण का संदेश

राष्ट्रीय युवा दिवस पर ग्रामोदय से अभ्युदय मध्य प्रदेश का सेक्टर कार्यक्रम हुआ

विदिशा (निप्र)। जन अभियान परिषद विदिशा द्वारा ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश अंतर्गत जिले भर में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिसके तहत ग्रामों में भी स्वदेशी अपनाने और स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण के संदेशों का संप्रेषण किया जा रहा है। आज राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर जन अभियान परिषद, बासौदा द्वारा ग्राम विकास पखवाड़ा के तहत सेक्टर स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन परिषद द्वारा चयनित नवांकुर संस्था आवरण सोशल वेलफेयर सोसायटी के तत्वाधान में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति कुल्हार के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम अंतर्गत ग्रामोदय से अभ्युदय मध्य प्रदेश अभियान के तहत स्वामी विवेकानंद व्याख्यान माला एवं युवा दिवस विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा स्वामी विवेकानंद जी एवं मां सरस्वती जी के चित्र के समक्ष पूजन-अर्चना के साथ हुआ। इस अवसर पर आवरण सोशल वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष श्री अमित शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए ग्रामीणजनों को स्वदेशी अपनाने , स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण को ग्राम विकास की आधारशिला बताया। ग्राम के शासकीय माध्यमिक विद्यालय के प्रभारी शिक्षक श्री नेतराम विश्वकर्मा ने कहा कि किसी भी कार्य को परिणाम तक पहुंचाने का प्रयास होना चाहिए तथा जीवन में शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं ग्राम के उपसरपंच श्री राधेलाल अहिरवार ने गांव में हो रहे विकास कार्यों की जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग से श्री अनिल खरे ने बच्चों के टीकाकरण एवं महिलाओं के संतुलित खान-पान के महत्व पर जानकारी दी।

कार्यक्रम में एमएसडब्ल्यू के छात्र मोनू विश्वकर्मा ने गीत के माध्यम से प्राचीन भारत एवं विकसित भारत की संकल्पना प्रस्तुत की , जबकि छात्रा वैशाली अहिरवार ने देशभक्ति गीत से उपस्थित जनसमूह को भावविभोर किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी उपस्थित जनों को स्वदेशी अपनाने की शपथ दिलाई गई तथा ग्राम में रैली के माध्यम से जन-जागरूकता फैलाई गई। साथ ही गांव की दीवारों पर ष्स्वदेशी अपनाओ देश बचाओष् जैसे नारों का लेखन भी किया गया।कार्यक्रम का संचालन परामर्शदाता श्री जगदीश साहू द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती सीमा शर्मा ने किया। कार्यक्रम में गौरव शर्मा, प्रस्फुटन समिति किशनोदा से चंद्रभान दांगी, कुल्हार समिति से थान सिंह दांगी, उदयपुर समिति से सुरेंद्र शर्मा, बावली समिति से राहुल यादव, गोलू अहिरवार, शिक्षक नारायण प्रसाद शर्मा, कसान शाक्य, उपसरपंच कारेलाल अहिरवार, आशा सुपरवाइजर विदेश मिश्रा, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, ग्रामवासी एवं बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कमिश्नर ने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की आंगनबाड़ी केन्द्रों का किया भ्रमण

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी ने नर्मदापुरम जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के आंगनबाड़ी केन्द्रों का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान उन्होंने आंगनवाड़ी केन्द्रों में प्रतिदिन के हिसाब से मिलने वाले पोषण आहार भोजन एवं नाश्ते का अवलोकन किया। इस दौरान आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों ने कमिश्नर श्री तिवारी को कविताएं भी सुनाई। कमिश्नर पुलिस लाइन स्थित शहरी क्षेत्र की आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचे यहां उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। आंगनवाड़ी सहायिका शकून लोवंशी ने बताया कि 03 से 06 वर्ष के 34 बच्चे आंगनबाड़ी केंद्र में दर्ज हैं, जिनमें से कुछ बच्चे स्कूल भी जाने लगे हैं इस कारण से आंगनबाड़ी केंद्र में नहीं आते हैं। मौके पर छह बच्चे मौजूद थे। कमिश्नर ने प्रातः मिलने वाले नाश्ते की जानकारी ली, आंगनवाड़ी सहायिका ने बताया कि नाश्ते में बच्चों को आज पौष्टिक खिचड़ी दी गई है। कमिश्नर ने शहरी क्षेत्र की आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 41 पहुंचे, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता दीपिका सिरोठिया ने बताया कि 03 वर्ष से 06वर्ष तक की आयु के 31 बच्चे आंगनवाड़ी केंद्र में दर्ज है जिनमें से 22 बच्चों ने स्कूल में प्रवेश लिया है शेष बच्चे आंगनबाड़ी में आते हैं। कमिश्नर तत्पश्चात ग्राम ब्यावरा की ग्रामीण क्षेत्र की आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 04 पहुंचे। आंगनवाड़ी सहायिका श्रीमती प्रीति बकोरे ने बताया कि 03 वर्ष से 06 वर्ष तक के 07 बच्चे आज उपस्थित है वही 3 वर्ष से 6 वर्ष के 29 बच्चे आंगनबाड़ी में दर्ज है जिनमें से 10 से 12 बच्चे आंगनबाड़ी आते हैं शेष बच्चों ने स्कूल में प्रवेश ले लिया है वह स्कूलों में जाते हैं।

संकल्प से समाधान अभियान का हो प्रभावी क्रियान्वयन, नागरिकों को मिले लाभः कलेक्टर

कुपोषणमुक्त जिला बनाने कार्यो में तेजी लाने दिए निर्देश टीएल बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने की सीएम हेल्पलाईन और विभागीय गतिविधियों की समीक्षा

रायसेन (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा विभागीय गतिविधियों तथा योजनाओं एवं सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिले में संकल्प से समाधान अभियान के तहत आयोजित किए जा रहे शिविरों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविरों के आयोजन की जानकारी नागरिकों तक पहुंचाएं जिससे कि अधिक से अधिक नागरिकों को इनका लाभ मिले। एसडीएम, जनपद सीईओ सहित अन्य अधिकारियों को शिविरों में उपस्थित रहने हेतु निर्देशित किया। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिले को कुपोषणमुक्त बनाने के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए विगत दिनों कुपोषित बच्चों को फूड बॉस्केट वितरित किए जाने की

जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य तथा महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों से कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को लेकर शुरू में बेहतर काम हुआ है, लेकिन अब गति धीमी हो गई है।

अधिकारी इसको गंभीरता से लें तथा कार्य में तेजी लाएं। उन्होंने जनसहयोग, समाजसेवी एवं विभिन्न संगठनों के सहयोग से कुपोषित बच्चों को फूड बॉस्केट वितरण कार्य में तेजी लाने और मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी से बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियों की जानकारी लेते हुए परीक्षा परिणामों में वृद्धि हेतु किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली। साथ ही जिला अधिकारियों को उन्हें आवंटित शासकीय स्कूलों का निरीक्षण कर बच्चों से संवाद कर उन्हें मोटिवेट करने के लिए निर्देशित किया। इसी प्रकार सभी एसडीएम से एसडीएम तथा तहसील कार्यालयों को आईएसओ सर्टिफाइड कराने की जा रही कार्यवाही की जानकारी लेते हुए सभी अधिकारियों को अपने कार्यालयों को व्यवस्थित करने तथा दस्तावेजीकरण हेतु दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने विभागवार सीएम हेल्पलाईन शिकायतों और उनके निराकरण की साप्ताहिक प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाईन शिकायतों का समयावधि में संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित कराएं। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की सीएम हेल्पलाईन शिकायतों की समीक्षा करते हुए विगत एक सप्ताह में लंबित 226 सीएम हेल्पलाईन शिकायतों में से 84 का निराकरण करने पर सीएमएचओ डॉ दिनेश खत्री की सराहना करते हुए उन्हें शेष लंबित 142 शिकायतों को भी शीघ्र निराकृत करने हेतु निर्देशित किया। इसी प्रकार स्कूल शिक्षा विभाग की लंबित 162 सीएम हेल्पलाईन में से 50 शिकायतों का निराकरण होने पर जिला शिक्षा अधिकारी की भी सराहना करते हुए शेष लंबित शिकायतों को भी शीघ्र निराकृत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने महिला बाल विकास, लोक निर्माण विभाग, सामाजिक न्याय, सहकारिता, मत्स्य पालन, उद्यानिकी सहित अन्य विभागों की सीएम हेल्पलाईन शिकायतों की समीक्षा कर दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने नॉन अटेन्डेन्ट सीएम हेल्पलाईन शिकायतों की समीक्षा के दौरान कृषि विभाग, मार्कफेड, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, पीएमजीएसवाय तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की सीएम हेल्पलाईन शिकायत नॉन अटेन्डेन्ट रहने पर नाराजगी जाहिर कर संबंधित अधिकारियों को गंभीरता से कार्य करने हेतु निर्देशित किया।

सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी पर हाईकोर्ट सख्त

एमपी के 102 स्कूल बिना शिक्षक, सरकार से हलफनामे पर जवाब तलब

जबलपुर (नप्र)। एमपी के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी है, जिसके चलते छात्रों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है, लिहाजा मामले पर अब हाईकोर्ट ने संज्ञान लिया है। दायर जनहित याचिका पर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने सुनवाई करते हुए प्रदेश में शिक्षकों की कमी पर चिंता जाहिर की है।

हाईकोर्ट ने सुनवाई करते हुए सरकार से पूछा है कि प्रदेश मे कितने सरकारी स्कूल है, और टीचरों की कितनी कमी है। कोर्ट ने सरकार से हलफनामे पर जवाब मांगा है। मामले पर अगली सुनवाई अब 24 फरवरी को होगी।

याचिका में कहा- 102 सरकारी स्कूल बिना शिक्षक- दरअसल हाईकोर्ट मे डिडौंरी निवासी किसान लोक सिंह की ओर से याचिका दायर की गई, जिसमें बताया कि शिक्षा के अधिकार कानून लागू हुए 15 साल से अधिक हो गए है, लेकिन फिर भी अभी तक प्रदेश के कई सरकारी स्कूलों में अध्यापकों की नियुक्ति के वैधानिक दायित्व को निभाने में प्रदेश सरकार असफल रही है।

याचिका में बताया गया कि 102 सरकारी स्कूल बिना किसी शिक्षक के चल रहे है, जबकि 499 स्कूलों में कम शिक्षकीय स्टाफ है। याचिकाकर्ता की और से अधिवक्ता राहुल देशमुख ने कोर्ट को बताया कि स्कूल और शिक्षकों की कमी से छात्रों का भविष्य अधर में है।

सिर्फ डिंडौरी जिले के सरकारी स्कूलों से संबंधित याचिका पर जब अदालत मित्र ने आग्रह किया तो चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने सरकार से पूछा कि प्रदेश में कुल कितने सरकारी स्कूल है, और वहां पर शिक्षकों के कुल कितने पद खाली है।

सुनवाई के दौरान सीनियर एडवोकेट गुलाटी ने कोर्ट को बताया कि सिर्फ जबलपुर में 54 स्कूल ऐसे है, जो शिक्षकों की कमी से बंद होने की कगार पर है। उन्होंने कहा कि सरकार से पूछा जाए कि प्रदेश में सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के कुल कितने पद खाली है, ताकि उनको भरने के संबंध में कोर्ट द्वारा जरूरी निर्देश दिए जा सकें।

सरकारी स्कूलों में घटी छात्रों की संख्या

जानकारी के मुताबिक 2024-25 और 2025-26 के सत्र में कई स्कूलों में छात्रों की संख्या घट रही है। प्रदेश में करीब 21,193 माध्यमिक विद्यालय ऐसे हैं जिनमें 20 से कम छात्र हैं। इसी तरह राज्य के लगभग 8,533 स्कूल केवल एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। खेल शिक्षकों की भी भारी कमी है, जहां 92,000 स्कूलों के लिए केवल 700 शिक्षक उपलब्ध होने की जानकारी है।

यू-डाइस (डीआईएसई) की रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश के 20 स्कूल ऐसे हैं जहां एक भी शिक्षक पदस्थ नहीं है, जबकि 4,128 स्कूलों में सिर्फ एक शिक्षक कार्यरत हैं। इसके अलावा 5,179 स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या 10 से भी कम है। यही नहीं, पिछले साल की तुलना में इस वर्ष सरकारी स्कूलों में 3.44 लाख कम विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। हर साल नामांकन में गिरावट का सिलसिला जारी है।

एक जानकारी के मुताबिक मध्य प्रदेश में वर्तमान में 70,000 से अधिक शिक्षकों के पद खाली हैं। हाल ही में मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (एमपीईएसबी) ने प्रदेश भर में 13,089 प्राथमिक शिक्षकों और 10,758 माध्यमिक शिक्षकों की भर्ती के लिए प्रक्रिया शुरू की है। इन पदों का एक हिस्सा जबलपुर जिले के लिए भी आवंटित है।

शिक्षकों की कमी, बच्चों ने छोड़ी पढ़ाई

धार	: 32 हजार
झाबुआ व खरगोन	: 24-24 हजार
छतरपुर	: 23 हजार
शिवपुरी	: 22 हजार
बड़वानी	: 21 हजार
सिंगरौली व दमोह	: 17 हजार से अधिक
जबलपुर	: 6 हजार से अधिक

हिंदू संगठनों ने भोपाल मेयर को मुल्ला मालती राय कहा

होर्डिंग पर स्याही से दाढ़ी बनाई, बंगला घेरा; गोमांस मामले में इस्तीफा मांगा

भोपाल (नप्र)। भोपाल में गोमांस तस्करी के आरोपों को लेकर बुधवार को हिंदू संगठनों का गुस्सा सड़कों पर दिखाई दिया। संगठनों ने महापौर मालती राय के बंगले का घेराव किया और मामले में जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की। इस दौरान बंगले के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ भी किया।

बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन के दौरान महापौर मालती राय की नेम प्लेट और होर्डिंग्स पर लगी फोटो पर स्याही पोत दी। प्रदर्शनकारियों ने मुल्ला मालती राय कहते हुए होर्डिंग पर मालती राय की फोटो पर स्याही से दाढ़ी बना दी।

कार्यकर्ताओं ने कहा- यह प्रतीकात्मक विरोध है, जो नगर निगम की भूमिका और स्लॉटर हाउस में कथित गोकशी के मामलों पर कार्रवाई न होने के खिलाफ किया गया है। एसीपी अंकिता खातरकर ने बताया कि यह प्रदर्शन बिना अनुमति के किया गया है, इसलिए बीएनएस की धाराओं के तहत कार्रवाई की जाएगी।

अपराधियों पर ऐसी कार्यवाही करें जिससे उनके हौसले पस्त हों : मुख्य सचिव श्री जैन

संवेदनशील होकर कानून व्यवस्था बनायें
कलेक्टर-एसपी कांफ्रेंस के पालन प्रतिवेदन पर समीक्षा

भोपाल (नप्र)। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने सभी जिलों के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षकों को सख्त निर्देश दिये है कि वे अवैध खनिज कारोबार सहित समाज विरोधी अन्य गतिविधियों को सख्ती से रोके और ऐसी कार्रवाई करें जिससे इस तरह की गतिविधियों में संलग्न लोगों के हौसले पस्त हों और भविष्य में इस तरह के अपराध नहीं हो। मुख्य सचिव श्री जैन ने भिंड मुरैना शहडोल जबलपुर और नरसिंहपुर जिलों को विशेष अभियान चलाकर इस तरह की गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगाने को कहा है। मुख्य सचिव ने कलेक्टर और एस.पी को संयुक्त बैठक करने

और प्रदेश में कानून व्यवस्था ठीक बनायें रखने के लिए लक्ष्य निर्धारित कर एक्शन लेने निर्देशित किया। कलेक्टर-पुलिस अधीक्षक कान्फ्रेंस के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा बैठक बुधवार को मंत्रालय में हुई। कांन्फ्रेंस में पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना, जिलों के कलेक्टर और एस.पी तथा अन्य पुलिस और प्रशासनिक वरिष्ठ अधिकारी वीडियो कान्फ्रेसिंग से सम्मिलित हुए।

बैठक में बताया गया कि कानून व्यवस्था के दृष्टिगत ऐसी बस्तियां, जहां संकरी सड़कें हैं और मूवमेंट में समस्या आती है, ऐसे स्थानों वाले 24 जिलों में अब तक जोनल प्लान तैयार किया गया है। ऐसी 1343 गलियों और बस्तियों को संवेदेनशील माना गया है और 23 जिलो में जीआईएस मैप पर अंकित किया है। शेष जिलों के अधिकारियों को आगामी 3 माह में सम्पूर्ण कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए, जिससे बेहतर पुलिसिंग हो सके। डीजीपी श्री मकवाना ने बताया कि प्रदेश में 1900 से अधिक गुम बालिकाओं को बरामद किया गया है और महिला अपराध की रोकथाम के लिए विद्यालयीन स्तर पर भी में जागरूकता अभियान चलाया गया है। मुख्य सचिव श्री जैन ने महिला अपराधों की रोकथाम के लिए जिला और पुलिस प्रशासन को संयुक्त रूप से अभियान चलाने के लिए निर्देश दिये हैं।

बैठक में जानकारी दी गई कि ड्रग फ्री इंडिया अभियान के तहत अगले 3 वर्षों का एक्शन प्लान तैयार किया गया है। ड्रग एवं अन्य नशीले पदार्थ के उपयोग पर सख्ती से रोक लगाने के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष मुहिम चलाने के निर्देश दिये गए है। मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि कलेक्टर और एस.पी संयुक्त बैठक करें और फोकस बिंदु पर कार्रवाई करें।

दिव्यांगजन स्पर्श मेला सामाजिक दृष्टिकोण बदलाव में सार्थक पहल : सारंग

तीन दिवसीय राज्य स्तरीय दिव्यांगजन स्पर्श मेले का शुभारंभ

● सांस्कृतिक, खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियों का होगा संगम

भोपाल (नप्र)। खेल एवं युवा कल्याण एवं सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि सामाजिक न्याय विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय दिव्यांगजन स्पर्श मेला, सामाजिक दृष्टिकोण के बदलाव में एक सार्थक पहल होगा। इस तरह के आयोजन दिव्यांगजनों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करते हैं। इसके साथ ही समाज की इस वर्ग के प्रति सकारात्मक सोच को बढ़ाते हैं। उन्होंने यह बात पंडित खुशीलाल आयुर्वेदिक संस्थान के सभागार में तीन दिवसीय दिव्यांगजन स्पर्श मेला के शुभारंभ अवसर पर कहीं। कार्यक्रम में महापौर श्रीमती मालती राय, अध्यक्ष नगर निगम परिषद श्री किशन सूर्यवंशी भी उपस्थित थे।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि स्पर्श मेला एक संवेदनशील पहल है इस तरह के आयोजनों से दिव्यांगजनों में समानता की भावना का संचार होता है। उन्होंने कहा कि स्पर्श मेले से दिव्यांगजन के मन, मस्तिष्क को नवीन ऊर्जा मिलेगी। शारीरिक कमी उनके आर्थिक, सामाजिक और व्यक्तित्व के विकास में बाधक नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का ही विजन है कि उन्होंने नि:शक्तजनों को एक नया शब्द दिव्यांगजन देकर उनके प्रति सामाजिक सोच में बदलाव दिलाया है। श्री सारंग ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर समाज के कमजोर

वर्ग को मुख्य धारा से जोड़ने के लिये लगातार प्रयास कर रहा हैं। उन्होंने दिव्यांग स्पर्श मेले में दिव्यांग कलाकारों द्वारा बनाई गई पेंटिंग्स और अन्य दैनिक उपयोग के उत्पादन की प्रशंसा भी की। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के दिव्यांग खिलाड़ियों द्वारा पैरा-ओलम्पिक गेम्स में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश को नहीं पहचान दिलाई है। उन्होंने इस तरह के आयोजन जिला और संभाग पर भी करने की सलाह सामाजिक न्याय विभाग को दी। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा भी दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए लगातार अवसर और प्रोत्साहन दिया जाता रहेगा।

महापौर श्रीमती मालती राय ने स्पर्श मेले का आयोजन के लिए सामाजिक न्याय विभाग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि स्पर्श मेले दिव्यांग बच्चों के प्रतिभाओं को दिखाने का एक अच्छा प्लेटफार्म बनेगा। उन्होंने इस तरह के आयोजन, हर स्तर पर किए जाने की आवश्यकता जताई।

प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय दिव्यांगजन कल्याण श्रीमती सोनाली वांयगणकर ने बताया की 21 जनवरी से 23 जनवरी 2026 तक आयोजित किए जाने वाले दिव्यांग स्पर्श मेले में प्रदेश के सभी शासकीय और अशासकीय दिव्यांग स्कूलों के बच्चों को विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए बुलाया गया है। उन्होंने कहा कि स्पर्श मेले में दिव्यांगजनों की सांस्कृतिक, खेलकूद एवं रचनात्मक प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया जाएगा। इन खेल प्रतियोगिताओं इनडोर और आउटडोर खेल होंगे। इसमें क्रिकेट, दौड़ और फन गेम्स तथा सायंकाल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, 23 जनवरी को विजेताओं को पुरस्कार वितरण के साथ समापन होगा

स्पर्श मेले में दिव्यांग कलाकारों के उत्पादों को मिली सराहना

तीन दिवसीय मेले में प्रदेश से दिव्यांग कलाकारों की और संस्थाओं की प्रदर्शनी लगाई गई है। मंत्री श्री सारंग ने कलाकारों के बेहतरीन उत्पादों के प्रदर्शन के लिये सराहा। इनमें इंदौर, उज्जैन, जबलपुर और भोपाल से आये कलाकार सम्मिलित है।

दिव्यांग क्रिकेट मैच का शुभारंभ

स्पर्श मेले में दिव्यांग खिलाड़ियों के उद्घाटन मैच इंदौर और भोपाल के बीच खेला गया, दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र के विधायक श्री भगवान दास सबनानी, नगर निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी, पार्षद डॉ. रेहना ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया तथा विधायक श्री सबवानी ने बैटिंग कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

आजीविका ग्रीन मेला भोपाल हाट में 24 से 26 जनवरी तक

पौधे, फल, सब्जी, अनाज, बीज एवं बागवानी सामग्री के लगेंगे स्टॉल

भोपाल (नप्र)। शहर के भोपाल हाट में 24 से 26 जनवरी तक तीन दिवसीय आजीविका ग्रीन मेले का आयोजन मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा किया जा रहा है। मेले में मिशन अंतर्गत महिला स्व-सहायता समूहों के रसायन रहित उत्पाद आकर्षण का केन्द्र रहेंगे। मुख्य रूप से समूहों की नर्सरी में तैयार किये गये पौधे, फल, सब्जी,रसायन रहित अनाज, बीज, खाद, कीटनाशक एवं बागवानी का सामान मेले में उपलब्ध रहेगा। भोपाल, रायसेन, सीहोर, हरदा, नर्मदापुरम, मंदसौर, विदिशा, ग्वालियर, राजगढ, सागर, श्योपुर, आगर-मालवा बैतूल, जबलपुर, नरसिंहपुर एवं गुना जिलों से समूहों की दीदीयां सामग्री लेकर आ रही हैं, सामग्री बेचने के लिये भोपाल हाट में लगभग 40 स्टॉल लगाये जायेंगे।

मेले में शोभादार पौधों में गुलाब, सेवंती, डहेलिया, आस्था के पौधों में तुलसी, शमी, बेल, सब्जी के पौधों में टमाटर, मिर्च, गोभी, पत्ता गोभी, ग्राफ्टेड सब्जी में बैगन के पौधे उपलब्ध रहेंगे। उन्नत फलदार वृक्षों में ग्राफ्टेड आम, अमरूद (थाई पिंक थाई) नीबू (सीडलेस), संतरा, चीकू, अनार आदि विशेष रूप से उपलब्ध रहेंगे।

इसके अलावा जैविक खाद, केंचुआ खाद, नाडेप खाद, धनजीवामृत, द्रव्य जीवामृत और जैविक कीटनाशक में नीमास्त्र, बह्मास्त्र, अग्नि अस्त्र, पांचपर्णी, दशपर्णी काढा उपलब्ध रहेगा। एकीकृत कीट नियंत्रण सामग्री में नीला, पीला स्टिकी ट्रैप, फेरोमेन ट्रैप, लाई ट्रैप उपलब्ध रहेंगे। इसी प्रकार मिट्टी एवं गोबर के गमले, सब्जी पौध तैयार करने के लिये सामग्री रूट ट्रे, कोको पिट, नर्सरी में उपयोग होने वाले छोटे यंत्र खुरपी, कटाई छटाई हेतु सिकेटियर, बडिंग चाकू भी उपलब्ध रहेंगे। मेले में आने वाले लोगों के लिये विभिन्न प्रकार के फ्रेश जूस, फ्रूट सलाद, हर्बल पेय आदि भी मिलेंगे। मेला प्रति दिन 11 बजे से रात्रि 9 बजे तक खुलेगा।

अब खाद की ऑनलाइन बुकिंग कर सकेंगे किसान

एमपी के सवा करोड़ किसानों की पोर्टल पर मैपिंग, अगले महीने से होम डिलेवरी की तैयारी

भोपाल (नप्र)। एमपी में बुआई के हर मौसम में किसानों की खाद लेने के लिए लगी कतारें सरकार और पब्लिक दोनों को परेशान करती हैं। अब सरकार किसानों को खाद की ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा देने जा रही है। यही नहीं खाद की होम डिलेवरी सेवा पर भी काम चल रहा है।

मप्र के कृषि विभाग ने एग्रीस्टेक पोर्टल पर सवा करोड़ किसानों की पूरी डिटेल दर्ज कराई है। इसमें किसान की खेती की भूमि का रकबा और उसमें बोई जाने वाली फसलों के साथ ही लगने वाली खाद की भी अनुमानित खपत दी है। कृषि विभाग ने एक पोर्टल बनाया है। एग्रीस्टेक पोर्टल में आधार नंबर के जरिए

किसान का रकबा मोबाइल पर आ जाएगा। उस रकबे के आधार पर फसल का चुनाव करने के बाद आईसीएआर की गाइडलाइन के तहत उस रकबे में किस रिकमंडेशन का डोज दिया है उसका किसान चुनाव कर सकते हैं। उसके बाद किसान को खाद किस रिटेलर के जरिए प्राप्त करना है। उसके लिए पोर्टल पर सरकारी खाद वितरण सोसाइटी और प्रायवेट रिटेलर दिखेंगे।

क्रिस्प के ई-विकास पोर्टल के प्रोजेक्ट मैनेजर कुलदीप सिंह किसान अपनी इच्छा के अनुसार सहकारी सोसाईटी या प्रायवेट रिटेलर का चयन करके वहां से खाद ले सकेंगे। इस पूरी प्रक्रिया में किसानों को क्यूआर कोड की तरह ई-टोकन जनरेट होगा। उस ई-टोकन को लेकर किसान चयनित रिटेलर के पास जाएगा और वहां से ई-टोकन के जरिए खाद उठा सकते हैं। हमने किसानों को दो ऑप्शन दिए हैं। अगर किसान सहकारी समितियों के सदस्य हैं तो अपनी समिति से खाद ले सकते हैं। अगर सदस्य नहीं हैं तो प्रायवेट रिटेलर का चुनाव करके वहां से खाद उठा सकते हैं। हमने तीन जिलों में पायलेट प्रोजेक्ट लॉन्च किया था। इस पायलेट के तहत 4 लाख 12 हजार 572 किसानों ने इसका लाभ लिया है। इस पोर्टल के जरिए 1.52 लाख मीट्रिक टन उर्वरक किसानों ने लिया है।

बड़वानी कलेक्टर जयति सिंह की 'मैजिक विंडो'

अस्पताल में बच्चा पैदा होते ही मिल जाएगा आधार, समग्र और जन्म प्रमाण पत्र

बड़वानी (नप्र)। जिले में नागरिक सुविधाओं को सरल और पारदर्शी बनाने की दिशा में जिला प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण और जनहितकारी पहल की है। अब सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले बच्चों के माता-पिता को जन्म प्रमाण पत्र सहित अन्य जरूरी दस्तावेज सीधे अस्पताल से ही उपलब्ध कराए जाएंगे। इस नई व्यवस्था की शुरुआत जिले में कर दी गई है, जिससे आम लोगों को बड़ी राहत मिलने वाली है। इसके पूर्व जिला ग्रीन कमांडो मिशन से चर्चा में आया था।

कलेक्टर जयति सिंह ने दी जानकारी- मंगलवार को मीडिया से चर्चा करते हुए कलेक्टर जयति सिंह ने बताया कि अब तक बच्चे के जन्म के बाद माता-पिता को जन्म प्रमाण पत्र के लिए नगर पालिका या ग्राम पंचायत के चक्कर लगाने पड़ते थे। इस प्रक्रिया में समय की बर्बादी के साथ-साथ अनावश्यक परेशानियां भी होती थीं।

नई व्यवस्था के तहत अब जन्म से संबंधित सभी औपचारिकताएं अस्पताल में ही पूरी की जाएंगी और मां के डिस्चार्ज होने से पहले जन्म प्रमाण पत्र सौंप दिया जाएगा।

'वन स्टॉप विंडो' के रूप में बनेगी व्यवस्था- कलेक्टर ने बताया कि यह व्यवस्था केवल जन्म प्रमाण पत्र तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसे 'वन स्टॉप विंडो' के रूप में विकसित किया गया है। इसके तहत नवजात का समग्र आईडी निर्माण, आधार कार्ड के लिए आवेदन, बैंक खाता खोलने में सहायता जैसी सुविधाएं भी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी। वहीं बालिका के जन्म पर सुकन्या समृद्धि योजना और लाड़ली लक्ष्मी योजना जैसी शासकीय कल्याणकारी योजनाओं से स्वतः जोड़ने की प्रक्रिया भी सुनिश्चित की जाएगी।

परिजनों की परेशानी होगी कम- उन्होंने बताया कि जारी किए गए सभी प्रमाण पत्र डिजिलॉकर के माध्यम से सुरक्षित रूप से संग्रहित किए जाएंगे, ताकि भविष्य में स्कूल प्रवेश, आंगनवाड़ी या अन्य शासकीय कार्यों में माता-पिता को बार-बार दस्तावेजों के लिए भटकना न पड़े। कलेक्टर जयति सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसी भी मां को बिना जन्म प्रमाण पत्र दिए अस्पताल से डिस्चार्ज नहीं किया जाएगा। फिलहाल यह व्यवस्था जिला अस्पताल में लागू की जा रही है, जिसे चरणबद्ध तरीके से जिले के अन्य शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों तक विस्तारित किया जाएगा।

संकल्प से समाधान पहल

उन्होंने बताया कि यह पहल 'संकल्प से समाधान' अभियान के तहत सुशासन और पारदर्शिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की जा रही है, जो 31 मार्च तक तीन चरणों में संचालित होगा। यह कदम प्रशासन की संवेदनशीलता और नागरिक हितों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

ग्रीन कमांडो मिशन की भी हुई चर्चा

इसके पूर्व बड़वानी जिले में आरंभ किया गया ग्रीन कमांडो मिशन भी चर्चा में आया था। बड़वानी ग्रीन कमांडो मिशन मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को दुर्गम पहाड़ी और जनजातीय क्षेत्रों तक पहुंचाने के लिए चलाया गया एक अभियान है, जिसमें स्वास्थ्य कार्यकर्ता (सीएचओ,एएनएम, आशा) पैदल चलकर, पहाड़ों और नदियों को पार करते हुए घर-घर जाकर छूटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण, जांच और स्वास्थ्य परीक्षण करते हैं।